राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 12 जून 2023 वर्ष–6,अंक–137 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी होगी 2024 की लड़ाई, अमित शाह ने नांदेड़ में चला डबल दांव

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार अमित शाह ने शनिवार को 2024 के लोकसभा चुनाव की सियासी लकीर खींचते हुए घोषणा की कि अगला आम चुनाव नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी के बीच होगा। उन्होंने कहा कि देश के लोगों को नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बीच किसी एक को देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में चुनना होगा। शाह ने गुरु गोबिंद सिंह को नमन करते हुए महाराष्ट्र के नांदेड़ से चुनावी अभियान की शुरुआत की और कहा कि उनकी पार्टी ÷हर कीमत पर राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करेगी। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने तख्त श्री हजूर साहिब में मत्था टेका। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने जहां दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ाया है, वहीं राहुल गांधी विदेशी धरती पर देश का अपमान करने में व्यस्त हैं।

शाह ने मोदी सरकार के नौ साल की उपलब्धियों का बखान करने वाली अपनी रैली के दौरान कहा, विदेशी सम्मेलनों में एक देश का नेता जहां नरेंद्र मोदी को बॉस कहता है, तो दूसरा उनका ऑटोग्राफ चाहता है... लेकिन दूसरी ओर, राहुल विदेशी धरती पर घरेलू राजनीति नहीं करने की वर्षों पुरानी परंपरा को तोड़ रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गिनाते हुए, कांग्रेस पर तंज कसा और कहा, ÷नेहरू-गांधी परिवार की चार पीढ़ियों ने भारत पर शासन किया - पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और फिर सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह लेकिन कांग्रेस लोगों को शौचालय, आवास, बिजली, मुफ्त राशन, गैस कनेक्शन नहीं दे पाई। वे लोग क्या कर रहे थे? आजादी के बाद के भारत में गरीबों की

परवाह करने वाले एकमात्र पीएम नरेंद्र मोदी हैं। शाह ने महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 45 जीतने के भाजपा के लक्ष्य की घोषणा करते हुए पूर्व सहयोगी उद्धव ठाकरे को पाखण्डी कहा। शाह ने कहा, 2019 के महाराष्ट्र चुनावों की पूर्व संध्या पर, मैंने और देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे के साथ बातचीत की थी, जो इस बात पर सहमत थे कि अगर भाजपा को बड़ा जनादेश मिला तो फडणवीस सीएम बनेंगे। जब ऐसा हुआ तो वह मुकर गए और

शाह ने गुरु गोबिंद सिंह को नमन करते हुआ नांदेड़ से चुनावी अभियान की शुरुआत की और कहा कि उनकी पार्टी हर कीमत पर राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करेगी।

मुख्यमंत्री की कुर्सी पाने के लिए कांग्रेस से हाथ मिला लिया।÷ शाह ने उद्धव ठाकरे को राम मंदिर, समान नागरिक संहिता और कर्नाटक सरकार द्वारा वीर सावरकर को इतिहास की किताबों से हटाने पर अपना रुख स्पष्ट करने की चुनौती दी।

शाह ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार पर भी हमला बोला लेकिन सधे अंदाज में उन्हें ÷सबसे भ्रष्ट यूपीए शासन का हिस्सेदार÷ भर ठहराया। शाह ने पवार पर आर्टिकल 370 को निरस्त करने का विरोध करने का भी आरोप लगाया और कहा, राहुल और पवार कहते थे कि आर्टिकल 370 निरस्त करने से घाटी में खून खराबा होगा। खून तो क्या, पत्थर मारने की भी हिम्मत आज किसी में नहीं है।

दरअसल, सिखों के पवित्र स्थान पर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री का दावेदार बताकर अमित शाह ने डबल दांव चला है। एक तरफ उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के सामने उन्हें कम कद्दावर नेता साबित करने की कोशिश की और गांधी परिवार के बहाने सिख दंगों के जख्मों को खुरेचकर कांग्रेस के खिलाफ हवा बनाने की कोशिश की है, वहीं दूसरी तरफ राहुल को पीएम उम्मीदवार बताकर विपक्षी गठजोड़ की जड़ में मट्ठा डालने की कोशिश की है, ताकि विपक्षी एकता गठबंधन के रूप में साकार नहीं हो सके। महाराष्ट्र में अगले साल लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी होने हैं।

अभिनेता मंगल ढिल्लों का निधन, यशपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

नई दिल्ली। फिल्मों और टीवी सीरियल्स के जाने-माने अभिनेता मंगल ढिल्लों का निधन हो गया है। वह लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उनका लुधियाना के एक अस्पताल में चल रहा था। बताया जा रहा है कि बीते कुछ समय से उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। इलाज के दौरान रविवार को उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। अभिनेता यशपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर उनकी मृत्यु की खबर की पुष्टि की है। मंगल पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री का मशहूर नाम थे। इसके अलावा उन्होंने बॉलीवुड की कई फिल्मों और टीवी धारावाहिकों में भी अपनी अदाकारी से लोगों के दिल जीते थे। साल 1988 में आई फिल्म खून भरी मांग में वह कैमियो रोल में दिखे थे। इसके बाद वह लगातार मनोरंजन की दुनिया में सक्रिय रहे। एक्टिंग के अलावा उन्होंने कई फिल्मों का निर्माण और निर्देशन भी किया था। अभिनेता का जन्म फरीदकोट के पंजाबी परिवार में हुआ था। शुरुआती शिक्षा उन्होंने यहीं से हासिल की। इसके बाद वह परिवार के साथ उत्तर प्रदेश चले गए। हालांकि, इसके बाद वह पंजाब लौट आए और फिर वहीं से स्नातक किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने थिएटर जॉइन किया। साल 1986 में उनके हाथ पहला टीवी सीरियल कथा सागर लगा। मशहूर टीवी शो बुनियाद ने उन्हें घर-घर तक पहचान दिलाई।अपने करियर में उन्होंने किस्मत, द ग्रेट मराठा, मुजरिम हाजिर, रिश्ता मौलाना आजाद, नूरजहां जैसे धारावाहिकों में काम किया। बाद में, उन्हें फिल्मों के लिए रोल भी मिलने लगे। खून भरी मांग के बाद वह जख्मी औरत, दयावान, आजाद देश के गुलाम, प्यार का देवता, अकेला, दिल तेरा आशिक, दलाल, विश्वात्मा, निशाना जैसी फिल्मों में दिखे। अपने फिल्मी सफर में उन्होंने ज्यादातर नकारात्मक भूमिका ही निभाई।

15 जून तक गुजरात पहुंच सकता है बिपरजॉय चक्रवात, भीषण तूफान में बदला

नई दिल्ली। अरब सागर से गुजर रहे बिपरजॉय तूफान भीषण चक्रवात में बदल गया है। मौसम विभाग के सुबह 5:30 बजे के अपडेट के मुताबिक, यह तूफान गुजरात के पोरबंदर 480 किमी, द्वारका से 530 किमी और कच्छ के नालिया के से 610 किमी दूर है। इसके 15 जून तक गुजरात और पाकिस्तान के कराची पहुंचने का अनुमान है। इससे पहले अहमदाबाद मौसम विभाग ने आशंका जताई थी कि यह तूफान पोरबंदर के तट से 200-300 किमी और नालिया से 200 किमी की दूरी से गुजर सकता है। किसी तरह के खतरे से निपटने के लिए पोरबंदर, गिर-सोमनाथ और वलसाड में NDRF की तैनाती की गई है। वहीं, कराची पोर्ट ने रेड अलर्ट जारी किया है।

अगले पांच दिन गुजरात में आंधी-तूफान और बारिश

तूफान के चलते गुजरात में अगले पांच दिन तक आंधी चलेगी। सबसे ज्यादा असर सौराष्ट्र-कच्छ इलाके में होगा। इस दौरान यहां 30-40 KMPH की रफ्तार से हवाएं चलेंगीं, जो 50 KMPH की रफ्तार भी छू सकती हैं, खासतौर से 13 से 15 जून तक।

48 घंटे में गोवा, महाराष्ट्र तक पहुंचेगा मानसून

मानसून शनिवार को केरल के बचे हुए हिस्सों से आगे तटीय कर्नाटक में छा गया है। केरल में मानसून ने 7 दिन की देरी से दस्तक दी थी। 10 जून तक इस सीजन में देश में औसतन 35.5 मिमी बारिश होती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 48 घंटे के अंदर मानसून पूरे गोवा, महाराष्ट्र के कुछ हिस्से खासकर तटीय महाराष्ट्र में आगे बढ़ने के आसार हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पत्थनमथिट्टा, अलापुझा, कोट्टायम, इदुक्की, कोझिकोड और कन्नूर में यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, तटीय आंध्र व तेलंगाना में 2 से 3 दिन तक लू के हालात रहेंगे। तीन से चार दिन में आंध्र, तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़ में मानसून के दस्तक देने की संभावना नहीं है।

दिल्ली वालों को 3 दिन और झेलना होगा 43 डिग्री वाला टॉर्चर, 14 जून से राहत के आसार

5 दिन तेज हवाएं चलने का अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी में उमस भरी गर्मी के कारण लोगों का हाल बुरा है। दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। वहीं, न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जोकि सामान्य से एक डिग्री कम है। मौसम विभाग ने आने वाले तीन दिनों में अधिकतम 43 और न्यूनतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस तक जाने का अनुमान लगाया है। इस दौरान लोगों को गर्मी और ज्यादा सताएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि राजधानी में एक जुलाई तक मॉनसून पहुंच सकता है। मौसम विभाग ने दिल्ली में रविवार को दिन

के समय तेज सतही हवाएं चलने का अनुमान जताया है। साथ ही, अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43 तथा 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, 14 जुलाई यानी बुधवार से तापमान में कुछ कमी देखने को मिलेगी। राजधानी में अगले कुछ दिन हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की संभावना नहीं है। दिल्ली के अधिकांश इलाकों में अगले चार से पांच दिन तेज हवाएं चल सकती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार शाम सात बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मध्यम श्रेणी में 140 दर्ज किया गया।

गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब, और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

रास्ते में फेल हो गया विमान का इंजन, दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से चेन्नई के लिए उड़ान भरने वाला इंडिगो कि विमान महज एक घंटे के बाद वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर ही लौट आया। इंजन फेल्योर की वजह से विमान ने रात करीब 10 बजकर 39 मिनट पर इमर्जेंसी लैंडिंग की। एयरबस 6E-2789 ने रात करीब 9 बजकर 46 मिनट पर उड़ान भरी थी। इसमें 230 लोग सवार थे। थोड़ी देर बाद ही एक इंजन फेल हो गया और विमान वापस दिल्ली एयरपोर्ट प लौट आया। बता दें कि दो इंजन वाला विमान एक इंजन के भरोसे ही सुरक्षित लैंड हो सकता है। यह विमान साढ़े 12 बजे चेन्नई पहुंचने वाला था। इंडिगो की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान अब तक नहीं दिया गया है। जानकारी के मुताबिक चालक दल के दो सदस्यों के साथ विमान में 231 यात्री थे। किसी भी हादसे को टालने के लिए इमर्जेंसी लैंडिंग का फैसला किया गया। बता दें कि बीते दिनों अमेरिका जाने वाले एयर इंडिया के विमान को रूस के एक गांव में इमर्जेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। इसके बाद यात्रियों को कई दिन वहां गुजारने पड़े।

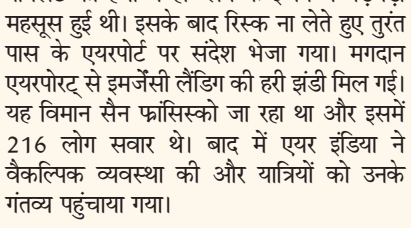

पायलट को हवा में ही प्लेन के इंजन में गड़बड़ी महसूस हुई थी। इसके बाद रिस्क ना लेते हुए तुरंत पास के एयरपोर्ट पर संदेश भेजा गया। मगदान एयरपोरट् से इमर्जेंसी लैंडिंग की हरी झंडी मिल गई। यह विमान सैन फ्रांसिस्को जा रहा था और इसमें 216 लोग सवार थे। बाद में एयर इंडिया ने वैकल्पिक व्यवस्था की और यात्रियों को उनके गंतव्य पहुंचाया गया।

फिल्मी स्टाइल में डकैती, मिनटों में ले भागे 7 करोड़ रुपये; महिला थी गैंग की लीडर

लुधियाना। लुधियाना में एक कैश मैनेजमेंट कंपनी से 7 करोड़ रुपये की लूट हो गई। पुलिस भी इस डकैती के तरीके से हैरान है। बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में 7 या 8 नकाबपोश पहुंचे और मिनटों में कैश बटोरकर फरार भी हो गए। बताया जा रहा है कि इस डकैती में एक महिला भी शामिल थी जो कि गैंग की लीडर भी हो सकती है। न्यू राजगुरु नगर के अमन पार्क में सीएमएस-कनेक्टिक कॉमर्स में यह लूट की घटना हुई।

पुलिस ने कहा कि 7 या आठ लुटेरों में एक महिल शामिल थी। दो लुटेरे पीछे के दरवाजे और बाकी आगे के दरवाजे से दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने पांच कर्मचारियों को बंदूक की नोक पर बंधक

बना लिया। उन्होंने वहां से चार करोड रुपये निकाल लिए और इसके बाद बाहर खड़ी कैश वैन से फरार हो गए। इस कैश वैन में भी 3 करोड़ रुपये थे। एटीएम में भरने के लिए यह कैश ले जाया जाना था। लेकिन पहले ही लुटेरे इसे ले उड़े।

लुधियाना पुलिस कमिश्नर मनदीप सिंह सिद्धू ने कहा कि यह घटना रात 1 से 2.30 बजे के बीच की है। वहीं पुलिस को इसकी जानकारी सुबह 7 बजे दी गई। उन्होंने कहा, कर्मचारियों के मुताबिक डकैती डालने वालों में एक महिला थी। लुटेर अपने साथ कैश, डीवीआर और सीसीटीवी कैमरे भी लेकर फरार हो गए। उन्होंने कहा कि कंपनी से क्लाउड स्टोरेज रिकॉर्डिंग उपलब्ध करवाने को कहा गया है। पुलिस ने कहा कि बाद में लुधियाना फिरोजपुर रोड पर कैश वैन मिल गई लेकिन इसमें कैश नहीं था।

पुलिस ने कहा कि कंपनी ने कैश को असुरक्षित तरीके से रखा था। यह किसी लॉकर में नहीं रखा गया था। उन्होंने कहा, कर्मचारियों का कहना है कि सभी लुटेरों के पास कृपाण था। इसके अलावा उन्होंने रात में ड्यूटी पर मौजूद गार्ड से दो हथियार छीन लिए थे। कैश लूटने के बाद वे दोनों बंदूक वहीं छोड़कर भाग गए। कैश वैन से बाद में तीन और हथियार बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि कंपनी के गार्ड से भी ओवरवर्क करवाया जा रहा था। वे इस बारे में बहुत कुछ बता भी नहीं पाए।

पुलिस ने बताया कि मुंबई की यह कंपनी एटीएम में कैश लोड करने का काम करती है। इस वजह से यह रोज बड़ी मात्रा में कैश का आदान प्रदान करती है। सराभा नगर पुलिस स्टेशन में घटना की एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने लूट के दौरान वहां मौजूद लोगों से भी पूछताछ की है।

यौन उत्पीड़न के फोटो, ऑडियो-वीडियो सबूत करें जमा; दो महिला पहलवानों को दिल्ली पुलिस का नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली दो टॉप महिला पहलवानों को दिल्ली पुलिस ने नोटिस भेजा है और उनसे यौन उत्पीड़न के सबूत मांगे हैं। दिल्ली पुलिस ने अपनी नोटिस में महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न (ब्रेस्ट छूने या पेट पर हाथ सहलाने के आरोपों) के सबूत के तौर पर फोटो, ऑडियो या वीडियो जमा कराने के कहा है। महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह पर छाती छूने, पेट पर हाथ फेरने और जबरन जोर से गले लगाने के आरोप प्राथमिकी में लगाए हैं।

महिला पहलवानों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, कथित रूप से यौन उत्पीड़न की ये घटनाएं 2016 से 2019 के बीच 21, अशोक रोड स्थित ब्रुस्सढ्ढ दफ्तर में हुई जो बृजभूषण शरण सिंह का सरकारी आवास भी है और विदेश में टूर्नामेंट के दौरान भी हुईं।

एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि 5 जून को महिला पहलवानों को CRPC की धारा 91 के तहत अलग से नोटिस जारी किया गया और उन्हें जवाब देने के लिए एक दिन का ही समय दिया गया था। एक पहलवान ने भी इसकी पुष्टि

करते हुए कहा, हमारे पास जो भी सबूत थे, हमने उसे पुलिस को सौंप दिया है। हमारे एक रिश्तेदार ने भी पुलिस को वो सबूत दिए हैं, जो उनसे मांगे गए थे।

शिकायतकर्ताओं में से एक ने प्राथमिकी में उल्लेख करवाया है कि विदेश में एक बड़ा पदक जीतने के बाद सिंह ने उसे 10 से 15 सेकंड तक जबरन कसकर गले लगा लिया था। पहलवान ने दावा किया कि टटोले जाने से बचने के लिए तब उसने अपना हाथ अपने ब्रेस्ट के पास रख लिया था। पुलिस ने इस पहलवान से इस घटना की भी तस्वीर मांगी है।

बता दें कि 7 जून को, सरकार के साथ हुई बातचीत में पहलवानों ने 15 जून तक अपना विरोध-प्रदर्शन रोकने पर सहमति व्यक्त की थी। तब पहलवानों और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के बीच करीब छह घंटे की लंबी वार्ता हुई थी। बातचीत में फैसला लिया गया कि 15 जून तक पहलवानों के आरोप मामले में दिल्ली पुलिस चार्जशीट दायर कर देगी। दिल्ली पुलिस ने भी इसी समय-सीमा को मद्देनजर रखते हुए शिकायतकर्ताओं से कथित घटनाओं की तारीख और समय, कुश्ती संघ के कार्यालय में बिताए गए समय, उनके रूममेट्स और अन्य संभावित गवाहों के नाम, खासकर जब वे विदेश में थे, प्रस्तुत करने के लिए कहा है। पुलिस ने उस होटल का ब्योरा भी मांगा है, जहां एक पहलवान WFI कार्यालय का दौरा करने के दौरान ठहरी थीं।

पुलिस ने एक पहलवान और उसके रिश्तेदार से भी सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद कथित रूप से मिले धमकी भरे कॉल का विवरण देने के लिए कहा है। रिश्तेदार को अलग से नोटिस जारी कर धमकी भरे कॉल से संबंधित वीडियो/फोटोग्राफ/कॉल रिकॉर्डिंग/व्हाट्सएप चैट की मांग की गई है। इन नोटिस पर कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में जांच अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। बता दें कि जनवरी में केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा गठित निरीक्षण समिति ने भी पीड़ितों से ऑडियो और वीडियो सबूत सौंपने को कहा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

महंगाई पर नजर

शायद यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूरी है कि उसकी प्राथमिकता महंगाई पर काबू पाने की होती है। महंगाई से त्रस्त जनमानस राजनीतिक बदलाव से भी गुरेज नहीं करता है। इस साल कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों और आम चुनावों की तरफ बढ़ते देश में सरकार की प्राथमिकता महंगाई नियंत्रण होना लाजिमी ही है। जिसकी झलक देश के केंद्रीय बैंक के वीरवार को सामने आए फैसले में नजर आई। केंद्रीय बैंक ने विकास के बजाय महंगाई नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता बताया है। यही वजह है कि रिजर्व बैंक ने अपनी मुख्य दरों में कोई बदलाव नहीं किया। बैंक की लगातार दूसरी बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया ताकि उपभोक्ताओं की ईएमआई पर कोई असर न पड़े। उल्लेखनीय है कि अप्रैल में हुई बैठक में भी नीतिगत दरें स्थिर रखी गई थी। इस बार भी रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की दो दिनों तक चली बैठक के बाद गुरुवार को गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्वीकारा की चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर निर्धारित लक्ष्य चार प्रतिशत से ऊपर रह सकती है। वहीं उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष में विकास दर 6.5 फीसदी रहने का भरोसा जताया। साथ ही कहा कि शहरी व ग्रामीण मांग का मजबूत बना होना अर्थव्यवस्था के लिये अच्छा संकेत है। फिर भी अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के पांच फीसदी से अधिक रहने का अनुमान है। इस आकलन की एक वजह यह भी है कि मौसम संबंधी अनिश्चितता ऐसे पूर्वानुमानों को प्रभावित कर सकती है। बैंक का मानना है कि यदि मानसून सामान्य रहता है तो महंगाई रिजर्व बैंक के अनुमानों के अनुसार निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप ही रह सकती है। कुछ आर्थिक जानकार केंद्रीय बैंक के निर्णय को सकारात्मक रूप से समायोजन की दिशा में उठाया गया कदम बता रहे हैं। उनका मानना है कि हाल-फिलहाल बाजार की इच्छा के अनुसार ब्याज दरों में वृद्धि नहीं की जायेगी। आकलन है कि वैश्विक आर्थिक स्थितियों तथा मानसून के सामान्य रहने पर केंद्रीय बैंक नीतिगत दर में कटौती कर सकता है। निस्संदेह, मौजूदा वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच यदि भारत का आर्थिक व वित्तीय क्षेत्र लचीला बना हुआ है तो यह मजबूत आर्थिक ढांचे को ही दर्शाता है। कुल मिलाकर बैंक ने आम उपभोक्ताओं की चिंताओं का ही निदान किया है। लेकिन एक बात साफ है कि केंद्रीय बैंक विकास के जोखिम के बजाय महंगाई के जोखिम को अपना प्राथमिक लक्ष्य बना रहा है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन के चलते ही केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के प्रयास सिरे चढ़ते नजर आ रहे है। जो अब सहिष्णुता की सीमा के निकट नजर आती है। जिसके चलते देश में सकारात्मक आर्थिक परिदृश्य नजर आ रहा है। तभी आगामी वित्तीय वर्ष के लिये जीडीपी के 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। बहरहाल, केंद्रीय बैंक ने मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग के बाद देश के लोगों को यह भरोसा दिलाया है कि नीतिगत दरों में बदलाव न करने के बावजूद न तो लोन महंगे होंगे और न ही उन्हें अधिक ईएमआई चुकानी पड़ेगी। यही वजह है कि केंद्रीय बैंक ने महंगाई नियंत्रण के अपने अस्त्र रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया, क्योंकि रेपो रेट बढ़ाने के बाद बैंक अपना ऋण महंगा कर देते हैं। इतना तो तय है कि आरबीआई अभी महंगाई को लेकर चिंतित है। फिलहाल मुद्रास्फीति की अनुमानित दर को 5.2 फीसदी से घटाकर उसने 5.1 किया है।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

बाल श्रम पर लगे लगाम

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

- 12 जून विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

भारत में सबसे अधिक आबादी नवयुवकों की है। इसीलिए इसे युवाओं का देश कहा जाता है। युवा शक्ति के बल पर ही भारत विश्व का सिरमौर देश बनने का प्रयास कर रहा है। इतना होने के उपरांत भी आज भारत में बड़ी संख्या में बाल श्रमिक कार्यरत है। जो भारत की युवा शक्ति पर एक बदनुमा दाग लगाते हैं। युवा शक्ति वाले देश में बच्चों से काम करावाना जहां युवा शक्ति का अपमान है वहीं देश की छवि भी खराब करता है। इसके लिए सरकार व समाज को मिलकर देश में बाल मजदूरी की प्रथा को बंद करवाना होगा। तभी सही मायने में विकसित भारत बन पाएगा। बच्चों को जिस उम्र में खेलना-कूदना, पढ़ना चाहिए। उस नन्ही सी उम्र में वह अपने परिवार का पेट पालन के लिए विभिन्न कल-कारखानों, लोगों के घरों पर, खेत खलिहान में व अन्य स्थानों पर काम करते नजर आते हैं। छोटे-छोटे बच्चों को कठोर काम करते देखकर लोगों का हृदय द्रवित हो जाना चाहिए मगर ऐसा होता नहीं है। बहुत से घरों में छोटे बच्चों को घरेलू कामगार के रूप में काम करते देखा जा सकता है। जहां संपन्न परिवारों के बच्चे अच्छे और महंगे स्कूलों में पढ़ते हैं। वही उसी घर में एक गरीब मां बाप का छोटा बच्चा उनके घरेलू काम करता नजर आता है। एक देश में समाज की दो व्यवस्थाएं देखी जा सकती है। यह समाज ही नहीं देश के विकास की राह में भी सबसे बड़ी बाधा है। बाल मजदूरी उन्मूलन के लिए दुनिया भर में 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जाता है। बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 14 साल से कम उम्र के बच्चों को इस काम से निकालकर उन्हें शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से 2002 में द इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की ओर से इस दिवस की शुरुआत की गई थी। बाल श्रम के खात्मे के लिए आज के दिन श्रमिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन और सरकारें तमाम आयोजन करती हैं। इसके बावजूद बाल मजदूरी पर लगाम नहीं लग पा रही है। बाल श्रम से तात्पर्य ऐसे काम से है जो मानसिक, शारीरिक, सामाजिक या नैतिक रूप से बच्चों के लिए खतरनाक और हानिकारक है। उनकी स्कूली शिक्षा में हस्तक्षेप करता है। उन्हें स्कूल जाने के अवसर से वंचित करने व उन्हें समय से पहले स्कूल छोड़ने के लिए बाध्य करता है। बाल मजदूरी और शोषण के अनेक कारण हैं। जिनमें गरीबी, सामाजिक मापदंड, वयस्कों तथा किशोरों के लिए अच्छे कार्य करने के अवसरों की कमी शामिल हैं। ये सब वजहें सिर्फ कारण नहीं बल्कि भेदभाव से पैदा होने वाली सामाजिक असमानताओं के परिणाम हैं।

देश के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे स्तर पर होटल, घरों व फैक्ट्री में काम कर या अलग अलग व्यवसाय में मजदूरी कर लाखों, करोड़ों बाल श्रमिक अपने बचपन को तिलांजलि दे रहें हैं। जिन्हें न तो किसी कानून की जानकारी है, और ना ही पेट पालने का कोई और तरीका पता है। भारत में ये बाल श्रमिक कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश व जवाहरात, पीतल व कांच, बीड़ी उघोग, हस्तशिल्प, सूती होजरी, नारियल रेशा, सिल्क, हथकरघा, कढ़ाई, बुनाई, रेशम, लकड़ी की नक्काशी, फिश फीजिंग, पत्थर की खुदाई, स्लेट पेंसिल, चाय के बागान में कार्य करते देखे जा सकते हैं। लेकिन कम उम्र में इस तरह के कार्यों को असावधानी से करने पर इन्हें कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बना रहता है। एक अध्ययन में पता चला है कि जितने भी बच्चे बालश्रम में लिप्त हैं वे या तो निरक्षर थे या पढ़ाई छोड़ दी थी। इनमें अधिकांश बच्चे बीमार पाए गए और कई बच्चे नशे के आदि भी हो गये।

बाल श्रम की समस्या का मुख्य कारण निर्धनता और अशिक्षा है। जब तक देश में भुखमरी रहेगी तथा देश का हर नागरिक शिक्षित नहीं होंगा तब तक इस प्रकार की समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी। देश में बाल श्रमिक की समस्या के समाधान के लिये प्रशासनिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सभी स्तरों पर प्रयास किया जाना आवश्यक हैं। देश में कुछ विशिष्ट योजनाएं बनाई जाएं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाए। जिससे लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत हो सके और उन्हें अपने बच्चों को श्रम के लिये विवश न करना पड़े। प्रशासनिक स्तर पर सख्त-से-सख्त निर्देशों की आवश्यकता है जिससे बाल-श्रम को रोका जा सके। व्यक्तिगत स्तर पर बाल श्रमिक की समस्या का निदान हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसके प्रति हमें जागरूक होकर इसके विरोध में आगे आना चाहिये। बाल श्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह एक वैश्विक घटना है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुमान के मुताबिक विश्व में तकरीबन 22 करोड़ बाल श्रमिक हैं। अकेले भारत में ही करीबन दो करोड़ बाल श्रमिक कार्यरत हैं। यूनीसेफ के अनुसार बच्चों का नियोजन इसलिये किया जाता है ताकि उनका आसानी से शोषण किया जा सके। बच्चे अपनी उम्र के अनुरूप कठिन काम जिन कारणों से करते हैं, उनमें आमतौर पर गरीबी पहला कारण है। इसके अलावा, जनसंख्या विस्फोट, सस्ता श्रम, उपलब्ध कानूनों का लागू नहीं होना, बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अनिच्छुक माता-पिता जैसे अन्य कारण भी हैं। पूरी दुनिया के लिये बाल श्रम की समस्या एक चुनौती बनती जा रही है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिये समय समय पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गए हैं। बाल श्रम को काबू में लाने के लिये विभिन्न देशों द्वारा प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में सुधार न होना चिंतनीय है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल श्रम को दूर करने में हम अभी बहुत पीछे हैं। बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) संशोधन अधिनियम 2016 के जरिए बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) अधिनियम 1986 में संशोधन किया गया है। ताकि किसी काम में बच्चों को नियुक्त करने वाले व्यक्ति पर जुर्माना के अलावा सजा भी बढ़ाई जा सके। संशोधित कानून सरकार को ऐसे स्थानों पर और जोखिम भरे कार्यों वाले स्थानों पर समय समय पर निरीक्षण करने का अधिकार देता है जहां बच्चों के रोजगार पर पाबंदी है। संशोधित कानून के जरिए इसका उल्लंघन करने वालों के लिए सजा को बढ़ाया गया है। बच्चों को रोजगार देने वालों को अब छह महीने से दो साल की जेल की सजा होगी या 20,000 से लेकर 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों लग सकेगा। कानून के मुताबिक किसी भी बच्चे को किसी भी रोजगार या व्यवसाय में नहीं लगाया जाएगा।

पिछले कुछ वर्षों से केंद्र एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सकारात्मक रही है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिये अनेक योजनायें प्रारंभ की गयी है। जिससे बच्चों के जीवन व उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल श्रम अभी भी एक विकट समस्या बना हुआ है। बाल श्रम को रोकने के लिये समाज के प्रमुख लागों को समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करना चाहिये। बच्चो से काम करवाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करवानी चाहिये। तभी बाल श्रम पर रोक लग पायेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

बाल श्रम से तात्पर्य ऐसे काम से है जो मानसिक, शारीरिक, सामाजिक या नैतिक रूप से बच्चों के लिए खतरनाक और हानिकारक है। उनकी स्कूली शिक्षा में हस्तक्षेप करता है। उन्हें स्कूल जाने के अवसर से वंचित करने व उन्हें समय से पहले स्कूल छोड़ने के लिए बाध्य करता है। बाल मजदूरी और शोषण के अनेक कारण हैं। जिनमें गरीबी, सामाजिक मापदंड, वयस्कों तथा किशोरों के लिए अच्छे कार्य करने के अवसरों की कमी शामिल हैं। ये सब वजहें सिर्फ कारण नहीं बल्कि भेदभाव से पैदा होने वाली सामाजिक असमानताओं के परिणाम हैं

बच्चों के मौलिक अधिकारों को बाधित करता है बालश्रम

(लेखक- - अतुल गोयल)

- विश्व बालश्रम निषेध दिवस (12 जून) पर विशेष

बाल श्रम के खिलाफ हर साल 12 जून को 'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस' मनाया जाता है। पहली बार यह दिवस वर्ष 2002 में बाल श्रम को रोकने के लिए जागरूकता और सक्रियता बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था। बाल श्रम इतनी आसान समस्या नहीं है, जितनी लगती है। बच्चों को उनकी इच्छा के विरुद्ध किसी भी प्रकार के काम में शामिल करने का कार्य है बाल श्रम, जो उनके मौलिक अधिकारों को बाधित करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 के अनुसार चौदह वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को किसी कारखाने या खदान में या किसी खतरनाक रोजगार में नियोजित नहीं किया जाएगा। बाल श्रम की समस्या केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व में प्रचलित है। यह समस्या अफ्रीका और भारत सहित कई अविकसित या विकासशील देशों में प्रमुख है। बाल श्रम एशिया में 22 फीसदी, अफ्रीका में 32 फीसदी, लैटिन अमेरिका में 17 फीसदी, अमेरिका, कनाडा, यूरोप और अन्य धनी देशों में 1 फीसदी है।

जब हम किसी रेस्तरां, टी-स्टॉल, होटल, कारखानों अथवा चूड़ी उद्योग में जाते हैं तो हम वहां 14 साल से कम उम्र के बच्चों को आसानी से काम करते हुए देख सकते हैं। सुबह-सुबह घर-घर अखबार बांटना, सड़क किनारे जूते पॉलिश करना, कूड़े-कचरे के ढ़ेर में कागज-पॉलीथिन चुनना, 21वीं सदी में भी जब खेलने-कूदने और पढ़ने-लिखने की उम्र में लाखों बच्चों को ऐसे कार्यों के जरिये अपने परिवार के लिए आय जुटाते देखते हैं तो बहुत दुख होता है। इसके अलावा बीड़ी उद्योग, कालीन उद्योग, कांच, पीतल, ज्वैलरी उद्योग सहित कई अन्य खतरनाक काम-धंधों में भी मासूम बचपन हाड़-तोड़ मेहनत करते देखा जाता है।

बाल श्रम न केवल उन्हें उनकी आवश्यक शिक्षा से वंचित कर रहा है बल्कि जिस अस्वच्छ वातावरण के तहत वे काम कर रहे हैं, वहां तरह-तरह की बीमारियां होने की संभावना भी कई गुना ज्यादा रहती है। ऐसे माहौल में काम करने वाले बच्चों को सांस की बीमारी, त्वचा रोग, दमा, टीबी, रीढ़ की हड्डी की बीमारी, कैंसर, कुपोषण, समय से पहले बुढ़ापा इत्यादि कुछ घातक बीमारियां होने की संभावना बढ़ने के अलावा यह समस्या राष्ट्र की प्रगति और विकास के मार्ग में एक बड़ी बाधा के रूप में उभरती है। दरअसल देश की युवा पीढ़ी के कंधों पर ही देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और बालश्रम जैसी समस्या के कारण वही प्रभावित होती है तो राष्ट्र के विकास की रफ्तार प्रभावित होना भी तय है। बाल श्रम की प्रथा के पीछे कई कारण हैं लेकिन इस मुद्दे की महत्वपूर्ण रीढ़ गरीबी ही है। जब कोई परिवार पानी, भोजन, शिक्षा इत्यादि अपनी मूलभूत दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो पाता तो कई बार ऐसे कुछ परिवार अपनी इन जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने छोटे-छोटे मासूम बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजने के बजाय काम पर भेजने के विकल्प का चयन करते हैं और ऐसे ही कुछ परिवार बाल तस्करों के शिकंजे में फंस जाते हैं तथा कुछ हजार रुपयों के लिए अपने जिगर के टुकड़े को उनके हवाले कर देते हैं। निरक्षरता दर में वृद्धि, बड़े पैमाने पर विस्थापन इत्यादि के पीछे संचालित कारक गरीबी ही है। गरीबी के अलावा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच की कमी, निरक्षरता, मौलिक अधिकारों और 1986 के बाल श्रम अधिनियम के बारे में सीमित ज्ञान, ये सभी कारक भी बाल श्रम की समस्या को विकराल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये कारक न केवल बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों और बचपन से वंचित कर रहे हैं बल्कि देश को अंधकारमय भविष्य की ओर धकेलने में भी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

बहरहाल, बालश्रम जैसी गंभीर होती समस्या को जड़ से मिटाने के लिए सबसे पहले हमें अभिशाप बनती गरीबी जैसी इसकी रीढ़ पर हमला करना होगा। सरकार को मौजूदा कानूनों और नीतियों में कुछ आवश्यक बदलाव करने की जरूरत है, इसके अलावा कौशल विकास पर ध्यान देने और रोजगार के अधिक से अधिक अवसर पैदा करने की भी नितांत आवश्यकता है। बाल श्रम जैसी विकराल समस्या से निपटने के लिए बालश्रम को लेकर बने सभी कानूनों को सख्ती से लागू करने के अलावा इनमें मौजूद तमाम खामियों को दूर करने और दृढ़संकल्प के साथ इन कानूनों को लागू किए जाने की भी दरकार है। हमें एक समाज के रूप में भी एक साथ आने और हाथ मिलाने की जरूरत है। जब भी हम कहीं बाल श्रम की कोई प्रथा देखते हैं तो हमें तुरंत पुलिस और संबंधित अधिकारियों से सम्पर्क करना चाहिए। इस समस्या के उन्मूलन के लिए गैर-सरकारी संगठनों को भी आगे आना चाहिए और इसके बारे में जागरूकता फैलाने के लिए देशभर में ऐसे अभियान शुरू करने की दरकार है, जिससे जन-जन को इस समस्या के कारणों और निवारण के बारे में जागरूक किया जा सके।

(लेखक बी.टैक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र हैं)

बाजरे को तार्किकता के साथ अपनाएं

अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष/ अमरेंद्र किशोर

साल 2023 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाजरे का साल है। ज्वार-बाजरा अक्सर 'सुपरफूड' के रूप में जाना जाता है। प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिजों से भरपूर यह अनाज, अपने उम्दा पोषण मूल्य के लिए सदियों से पारंपरिक भोजन के तौर पर देश के ज्यादातर राज्यों में लोकप्रिय रहा है। आज सरकार इसे प्रमुखता से पैदा करने पर जोर दे रही है। भारत बाजरे का प्रमुख उत्पादक है, जो एशिया के उत्पादन का 80 प्रतिशत और वैश्विक उत्पादन का 20 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। उल्लेखनीय है कि 1960 के दशक तक मध्य भारत का यह मुख्य भोजन रहा है, लेकिन हरित क्रांति के सुरूर में चावल और गेहूं की अधिक उपज देने वाली किस्मों के आने के दौर में लोग बाजरा खाना भूल गए। भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, 1965-70 तक, बाजरा भारत में कुल खाने की चीजों का 20 प्रतिशत हिस्सा था, जो अब घटकर मात्र 6 फीसदी रह गया है। सवाल है कि लगातार 50 सालों तक बाजरे को लेकर केंद्र सरकार या राज्य सरकारों द्वारा उपेक्षा का भाव क्यों बना रहा? भला क्यों अब खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए बाजरे के योगदान को स्वीकार किया जा रहा है? बावजूद इसके कि बाजरा किसी भी सूरत में गेहूं और चावल की तरह मुख्य आहार नहीं हो सकता। याद रहे, बाजरे में गोइट्रोजेन भी होते हैं जो आयोडीन के अवशोषण में हस्तक्षेप कर सकते हैं। इसका ज्यादा सेवन करने से थाइरॉयड और घेंघा की समस्या होती है। तो क्या इसी वजह से बाजरे को लम्बे समय तक दरकिनार किया गया? मौजूदा दौर में अचानक बाजरे के टिकाऊ उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के लिए हितधारकों को प्रेरित करने की दशा देखकर अचंभित होना लाजिमी है। हैदराबाद स्थित भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान को सभी नीतियों, गतिविधियों और कम्युनिकेशन पर नज़र रखने के लिए एक नोडल संस्थान बनाया गया है। जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए 6 टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने के मंसूबों के साथ, इस पर विभिन्न राज्यों, प्रसंस्करणकर्ताओं, पोषण विशेषज्ञों और किसानों के साथ परामर्श किया गया है। बीती शताब्दी में अधिक अन्न उपजाने के लिए खेती और सिंचाई की जो रीत विकसित हुई उसका खमियाजा आज जल संकट व बंजर होती ज़मीन के रूप में दिख रहा है। अब दलील दी जा रही है कि एक किलो गेहूं को सिर्फ बोने में ही 900 लीटर पानी की खपत होती है। एक किलो सब्ज़ी उगाने में 500 लीटर पानी और एक किलो चावल की पैदावार में कम से कम ढाई हजार लीटर पानी की ज़रूरत होती है। भारतीय संविधान में कृषि राज्य सूची का विषय है। फिर अनाज को लेकर इतना बेगानापन क्यों? राज्य सरकारें अन्न को लेकर लम्बे कालखंड में बेखबर रहीं। ख़ास तौर से उन राज्यों में जहां ज्वार-बाजरा-मक्का आदि पैदा करने की परिपाटी रही वहां लोकमानस की परम्परागत भोजन आदतों का सम्मान नहीं किया गया। ग्रामीण आबादी और खास तौर से महुआ, तेंदू, चिरौंजी जैसे वन उत्पादों के संग्रह पर निर्भर आदिवासी जिन अनाजों को सदियों से खाते चले आ रहे हैं, वैज्ञानिक पद्धतियों से जुड़कर उनके उत्पादन की बात कभी नहीं की गयी। सरकारों ने प्राकृतिक आपदाओं जैसे अकाल-महामारी आदि में ज्वार-बाजरा-मक्का और मडुआ जैसे मोटे अनाज से उन लोगों को दूर कर दिया। यहां तक कि लोक वितरण प्रणाली की दुकानों के माध्यम से राजस्थान, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में, जहां बाजरे की बंपर पैदावार की जाती थी, वहां सरकारी स्तर पर गेहूं मुहैया करवाई गयी। हरित क्रांति के बाद जब गेहूं के भरपूर भंडारण युग की शुरुआत हुई उसके बाद कभी 'काम के बदले अनाज' और राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम में इन मोटे अनाजों का वितरण शायद ही किया गया। चूंकि सत्तर के दशक तक आते-आते किसान गेहूं की बिक्री से मालामाल थे तो मोटे अनाज को पिछड़ेपन और दारिद्रय का चिन्ह मान लिया गया। बाजरे के उत्पादन में राजस्थान जहां सबसे आगे है तो वहीं उसके बाद दूसरे नंबर पर कर्नाटक है। फिर महाराष्ट्र, चौथे नंबर पर उत्तर प्रदेश और पांचवें पर हरियाणा है। लेकिन इन राज्यों में कुपोषण के आंकड़ों पर गौर कीजिये। राजस्थान में कुपोषण का स्तर 27.6 प्रतिशत, कर्नाटक में 32.9 प्रतिशत, महाराष्ट्र 36.1 प्रतिशत में उत्तर प्रदेश में 32.1 प्रतिशत और हरियाणा में 21.5 प्रतिशत है। क्या इन राज्यों की आंगनवाड़ी में, या मातृत्व सहयोग योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के जरिये गर्भवती महिलाओं को दिए गए अनाज में बाजरा परोसा गया? सर्वविदित है कि बाजरा आयरन का उत्कृष्ट स्रोत है, जो हीमोग्लोबिन स्तर को सुधारने में मदद करता है।

फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, आयरन, जिंक, मैग्नीशियम और विटामिन बी से भी भरपूर होता है। भारत की गेहूं और चावल जैसी अनाज की मुख्य फसलों की तुलना में बाजरा कहीं बेहतर है। कार्बोहाइड्रेट के मामले में यह लगभग गेहूं और चावल के समान व प्रोटीन की मात्रा के मामले में अधिक है। फिर भी बाजरे को अपनाना सही है लेकिन तार्किकता के साथ अपनाना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरबीआई के नी तिगत दरों में बढ़ोतरी करने से शेयर बाजार में आएगी उछाल

-बाजार की चाल अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों वाले निर्णय पर होगी निर्भर

मुंबई।

आरबीआई के महंगाई को नियंत्रित करने के लिए आगे नीतिगत दरों में बढ़ोतरी करने से शेयर बाजार में उछाल की संभावना है। हालों कि बीते सप्ताह 63 हजार अंक के शिखर से गिरकर मामूली बढ़त में रहे शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर होने वाले निर्णय के अलावा देश की खुदरा और थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों से तय होगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 78.52 अंक की मामूली बढ़त लेकर सप्ताहांत पर 62625.63 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 29.29 अंक बढ़कर 18563. 40 अंक पर रहा। वहीं, आलोच्य अवधि में बीएसई की दिग्गज कंपनियों से अधिक मजबूती मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में रही। इससे सप्ताहांत पर मिडकैप 224.09 अंक उछलकर 27518.19 अंक और स्मॉलकैप 506.29 अंक की छलांग लगाकर 31391.99 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार, आरबीआई ने अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। लेकिन, आरबीआई के अनुमान के अनुसार, मुद्रास्फीति अभी भी लक्ष्य से ऊपर है। उसने महंगाई को लक्षित दायरे में लाने के लिए आगे मौद्रिक नीति को सख्त बनाने के संकेत दिया है। इसी तरह मई में देश की सेवाओं का पीएमआई 13 साल के करीब 62 के अप्रैल के उच्च स्तर से घटकर 61.2 रह गई। इससे निवशकों की निवेशधारण प्रभावित हुई है। वैश्विक मोर्चे पर, मई में अमेरिकी एसएंडपी ग्लोबल सर्विसेज पीएमआई अप्रैल की 53.6 की तुलना में 54.9 पर आ गई, जो अप्रैल 2022 से मुख्य रूप से नए व्यवसाय द्वारा समर्थित सेवा क्षेत्र में सबसे मजबूत विस्तार की ओर इशारा करता रहा।

अप्रैल में अमेरिकी व्यापार घाटा बढ़ा मार्च में 60.6 अरब डॉलर की तुलना में छह माह के उच्चतम स्तर 74.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इन संकेतकों के बीच फेड रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी की अगले सप्ताह 13-14 जून को मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। ब्याज दरों को लेकर बैठक में होने वाले निर्णय का बाजार पर असर रहेगा।

साथ ही अमेरिका में खुदरा महंगाई, रोजगार के आंकड़े, डॉलर सूचकांक और कच्चे तेल की कीमत पर निवेशकों का फोकस रहेगा। इसके अलावा घरेलू स्तर पर अगले सप्ताह मई का खुदरा मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई, औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण उत्पादन, विदेशी मुद्रा भंडार और व्यापार संतुलन आंकड़ों का आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़ों की बदौलत फेड रिजर्व के ब्याज दरों में बढ़ोतरी बंद करने की उम्मीद में वैश्विक बाजार के सकारात्मक रुझान से उत्साहित निवेशकों की ऑटो, इंडस्ट्रियल्स, कैपिटल गुड्स और यूटिलिटीज समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली से सोमवार को सेंसेक्स 240.36 अंक उछलकर 62787.47 अंक और निफ्टी 59.75 अंक की बढ़त लेकर 18593.85 अंक पर पहुंच गया।

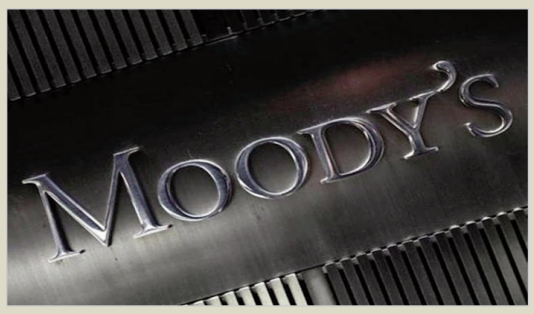

भारत की वृद्धि दर जून तिमाही में 6-6.3 प्रतिशत रहेगः मूडीज

नई दिल्ली । रेटिंग एजेंसी मूडीज का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली जून में समाप्त होने वाली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6-6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इसके साथ ही मूडीज ने सरकार का राजस्व उम्मीद से कम रहने की वजह से राजकोषीय मोर्चे पर फिसलन की भी आशंका जताई है। मूडीज का वृद्धि दर का अनुमान 2023-24 की पहली तिमाही के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के आठ प्रतिशत के अनुमान से काफी कम है। मूडीज के एसोसिएट प्रबंध निदेशक जीन फैंग ने एक साक्षात्कार में कहा कि 2022-23 के लिए भारत का सामान्य सरकारी कर्ज सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के काफी उच्चस्तर 81.8 प्रतिशत पर रहा है जबकि ऋण क्षमता इससे काफी कम है। उन्होंने कहा कि भारत के पास ऊंची वृद्धि हासिल करने की क्षमता है और इसकी ताकत सरकारी ऋण के लिए स्थिर घरेलू वित्तीय आधार और मजबूत बाहरी स्थिति है। हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की वृद्धि दर लगभग 6-6.3 प्रतिशत होगी, जो वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही में दर्ज 6.1 प्रतिशत की वृद्धि के आसपास ही है। फैंग ने कहा कि मुद्रास्फीति के नीचे आने की वजह से हमें उम्मीद है कि परिवारों की मांग सुधरेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने राजकोषीय नीति पर चिंताओं को दूर करते हुए पिछले दो साल में अपने राजकोषीय लक्ष्यों को व्यापक रूप से हासिल किया है। सरकार का राजकोषीय घाटा 2022-23 में घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6.4 प्रतिशत रह गया, जो 2021-22 में 6.7 प्रतिशत था। सरकार के खर्च और राजस्व के अंतर को राजकोषीय घाटा कहा जाता है। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 5.9 प्रतिशत रखा गया है।

(शेयर बाजार समीक्षा) देश की खुदरा और थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

- रुपए के प्रदर्शन और एफआईआई डीआईआई की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के महंगाई को नियंत्रित करने के लिए आगे नीतिगत दरों में बढ़ोतरी करने के संकेत के दबाव में बीते सप्ताह मामूली बढ़त में रहे शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर होने वाले निर्णय के अलावा देश की खुदरा और थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों के अनुसार आरबीआई ने अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। लेकिन आरबीआई के अनुमान के अनुसार मुद्रास्फीति अभी भी लक्ष्य से ऊपर है। उसने महंगाई को लक्षित दायरे में लाने के लिए आगे मौद्रिक नीति को सख्त बनाने के संकेत दिया है। इसी तरह मई में देश की सेवाओं का पीएमआई 13 साल के करीब 62 के अप्रैल के उच्च स्तर से घटकर 61.2 रह गई। इससे निवशकों की निवेशधारण प्रभावित हुई है। वैश्विक मोर्चे पर मई में अमेरिकी एसएंडपी ग्लोबल सर्विसेज पीएमआई अप्रैल की 53.6 की तुलना में 54.9 पर आ गई, जो अप्रैल 2022 से मुख्य रूप से नए व्यवसाय द्वारा समर्थित सेवा क्षेत्र में सबसे मजबूत विस्तार की ओर इशारा करता रहा। अप्रैल में अमेरिकी व्यापार घाटा बढ़ा मार्च में 60.6 अरब डॉलर की तुलना में छह माह के उच्चतम स्तर 74.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इन संकेतकों के बीच फेड रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की 13-14 जून को मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। ब्याज दरों को लेकर बैठक में होने वाले निर्णय का बाजार पर असर रहेगा। साथ ही अमेरिका में खुदरा महंगाई, रोजगार के आंकड़े, डॉलर सूचकांक और कच्चे तेल की कीमत पर निवेशकों का फोकस रहेगा। इसके अलावा घरेलू स्तर पर इस सप्ताह मई का खुदरा मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई, औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण उत्पादन, विदेशी मुद्रा भंडार और व्यापार संतुलन आंकड़ा का आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। साथ ही इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में रुपए के प्रदर्शन और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी।

विदेशी निवेशकों ने जून में शेयरों में 9,800 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजारों में निवेश का सिलसिला जारी है। उन्होंने जून में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 9,800 करोड़ रुपए डाले हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि तथा शेयरों के आकर्षक मूल्यांकन की वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों में पैसा लगा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने मई में शेयरों में 43,838 करोड़ रुपए डाले थे। यह उनके निवेश का नौ माह का उच्चस्तर था। अप्रैल, 2023 में शेयरों में उनका निवेश 11,630 करोड़ रुपए और मार्च में 7,936 करोड़ रुपए रहा था। इससे पहले जनवरी-फरवरी में उन्होंने शेयरों से 34,000 करोड़ रुपए निकाले थे। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार लगातार चढ़ रहे हैं। ऐसे में आगे एफपीआई के लिए मूल्यांकन चिंता का विषय हो सकता है। साथ ही सख्त नियामकीय नियमों की वजह से भी भारतीय बाजार में विदेशी कोषों के प्रवाह पर कुछ अंकुश लग सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से नौ जून के दौरान एफपीआई ने शेयरों में 9,788 करोड़ रुपए डाले हैं। शेयरों के अलावा एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में ऋण या बॉन्ड बाजार में 592 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इस साल अब तक विदेशी निवेशक शेयरों में 39,000 करोड़ रुपए और बॉन्ड बाजार में 8,100 करोड़ रुपए लगा चुके हैं।

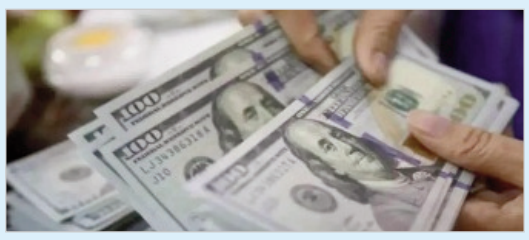

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में 6 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 83,638 करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इन्फोसिस को हुआ

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 83,637.96 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर और इन्फोसिस को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 35,694.04 करोड़ रुपए घटकर 11,74,720.15 करोड़ रुपए पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 18,949.45 करोड़ रुपए घटकर 6,19,281.77 करोड़ रुपए रह गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 13,549.34 करोड़ रुपए घटकर 5,25,374.14 करोड़ रुपए रह गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 7,675.16 करोड़ रुपए घटकर 5,16,378.05 करोड़ रुपए रह गया। आईटीसी के मूल्यांकन में 5,903.31 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,44,906.44 करोड़ रुपए पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 1,866.66 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,64,396.71 करोड़ रुपए रह गई।

इस रुख के विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 18,233.31 करोड़ रुपए बढ़कर 16,79,156.42 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 2,459.29 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 9,00,181.52 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी का 1,055.33 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,89,196.37 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 664.9 करोड़ रुपए बढ़कर 6,55,862.83 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, इन्फोसिस, एसबीआई, एचडीएफसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

एलन मस्क की नेटवर्थ 14 अरब डॉलर से ज्यादा बढ़कर 221 अरब डॉलर पहुंची

सैन फ्रांसिस्को ।

दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की दौलत बढ़ती ही जा रही है। मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के शेयरों में भारी उछाल देखा गया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक दो दिन में मस्क की नेटवर्थ में 14 अरब डॉलर से ज्यादा तेजी आई है। मस्क की नेटवर्थ अब 221 अरब डॉलर पहुंच गई है। यह रकम पाकिस्तान के करीब पांच साल के आयाते के बराबर है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार अब 3.9 अरब डॉलर रह गया है। यह राशि एक महीने के आयात के लिए नाकाफी है। मस्क टेस्ला के साथ-साथ स्पेसएक्स और ट्विटर के भी सीईओ हैं लेकिन स्पेसएक्स लिस्टेड नहीं है। मस्क की नेटवर्थ में इस साल 84.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में मस्क पहले नंबर पर हैं। मस्क की नेटवर्थ अक्टूबर 2021 में 340 अरब डॉलर पहुंच गई थी लेकिन पिछले साल यानी 2022 में उनकी नेटवर्थ में काफी गिरावट आई। इस साल फिर उनकी नेटवर्थ रॉकेट की तेजी से बढ़ रही है। टेस्ला के शेयरों में इस साल 60 फीसदी से अधिक तेजी आ चुकी है। फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट 189 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 147 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स 128 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे और लैरी एलिसन (124 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं। अमेरिका के दिग्गज इन्वेस्टर वॉरेन बफे (117 अरब डॉलर) छठे, स्टीव बाल्मर (114 अरब डॉलर) सातवें, लैरी पेज (111 अरब डॉलर आठवें), सर्गेई ब्रिन (105 नौवें) और मार्क जकरबर्ग (96.7 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। टॉप 10 में नौ रईस अमेरिका के हैं। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर बने हुए हैं। पिछले साल अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंचने वाले गौतम अडानी 19वें नंबर पर हैं।

श्रम भागीदारी में गिरावट से मई में बेरोजगारी दर घटकर 7.7 फीसदी हुईः सीएमआईई

नई दिल्ली । भारतीय अर्थव्यवस्था निगरानी केंद्र (सीएमआईई) ने अपनी वेबसाइट पर एक एनालिसिस में कहा कि भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में बेरोजगारी दर मई 2023 में घटकर 7.7 प्रतिशत रह गई, जो इससे पिछले महीने 8.5 प्रतिशत थी। श्रम भागीदारी में गिरावट का मतलब है कि काम की तलाश में श्रम बाजार में आने वाले लोगों की संख्या घट गई है। उन्होंने कहा कि अप्रैल की तुलना में मई में श्रम भागीदारी दर यानी एलपीआर 1.1 प्रतिशत घटकर 39.6 प्रतिशत रह गई। उन्होंने कहा` कि मई में एलपीआर में इस गिरावट की उम्मीद थी, क्योंकि अप्रैल में बड़ी संख्या में लोगों ने श्रम बल में प्रवेश किया था। हालांकि इस दौरान केवल एक छोटा सा हिस्सा ही रोजगार पाने में सफल रहा। ऐसे में मई के महीने में काम की तलाश करने से कई लोग हतोत्साहित हुए। इसके चलते श्रम बल का आकार 45.35 करोड़ से घटकर 44.19 करोड़ रह गया। इस बीच मई 2023 में श्रम भागीदारी में गिरावट शहरी भारत की तुलना में ग्रामीण भारत में काफी अधिक थी। उन्होंने कहा कि शहरी भारत में श्रम बल में करीब 45 लाख की कमी हुई। मई में ग्रामीण श्रम बल पिछले महीने के 30.65 करोड़ से घटकर 29.94 करोड़ रह गया।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

आयातित सोयाबीन और सूरजमुखी के दाम में मामूली वृद्धि के साथ मलेशिया में खाद्य तेलों के दाम सुधरने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह ज्यादातर तेल-तिलहनों के दाम पिछले सप्ताहांत के मुकाबले लाभ के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में सोयाबीन तेल का दाम 980-985 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,020-1,025 डॉलर प्रति टन हो गया। जबकि सूरजमुखी तेल का दाम 860 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 880 डॉलर प्रति टन हो गया। मलेशिया में खाद्य तेलों के दाम में सुधार के कारण यहां लगभग सभी खाद्य तेल-तिलहनों की कीमतों में वृद्धि हुई। लेकिन खाद्य तेलों के दाम में इस मामूली सुधार को तेजी समझना गलत होगा। जैसे सूरजमुखी तेल को देखें तो साल भर पहले इसका दाम लगभग 2,500 डॉलर प्रति टन था और अब सुधार के बाद भी मौजूदा समय में इसका भाव 880 डॉलर ही है। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 30 रुपए की गिरावट के साथ 4,740-4,840 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के भाव भी क्रमशः 150 रुपए, 150 रुपए और 300 रुपए सुधरकर क्रमशः 9,650 रुपए, 9,250 रुपए और 8,100 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। खाद्य तेल कीमतों में मजबूती के रुख के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड के भाव क्रमशः 25 रुपए, 100 रुपए और पांच रुपए बढ़कर क्रमशः 6,225-6,285 रुपए, 15,600 रुपए और 2,330-2,605 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। मलेशिया में तेल कीमतों में सुधार आने के बाद समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 150 रुपए बढ़कर 8,000 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपए बढ़कर 9,250 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर पामोलीन एक्स कांडला का भाव 50 रुपए की हानि के साथ 8,350 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह देशी बिनौला तेल समीक्षाधीन सप्ताह में 150 रुपए की गिरावट के साथ 8,050 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रिलायंस की केजी बेसिन गैस की दूसरी नीलामी में आईओसी को मिला आधा हिस्सा

- पिछले महीने हुई नीलामी में आईओसी ने 25 लाख घनमीटर प्रतिदिन गैस हासिल की

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसकी ब्रिटिश भागीदार बीपी की केजी गैस की हालिया प्राकृतिक गैस नीलामी में करीब आधा हिस्सा हासिल किया है। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली और उर्वरक उत्पादन में होता है। इसके अलावा इसे वाहन ईंधन सीएनजी और रसोई में इस्तेमाल होने वाले ईंधन में भी बदला जाता है। सूत्रों ने बताया कि पिछले महीने हुई नीलामी में आईओसी ने 25 लाख घनमीटर प्रतिदिन गैस हासिल की है। नीलामी में 50 लाख घनमीटर गैस रखी गई थी। तेल शोधन और विपणन कंपनी ने इस मात्रा के लिए बोली सात उर्वरक संयंत्रों की ओर से लगाई थी।

रिलायंस-बीपी की पिछली पूर्वी अपतटीय केजी-डी6 ब्लॉक की गैस की नीलामी में भी आईओसी ने सबसे ज्यादा गैस के लिए बोली लगाई थी। शहर गैस वितरण कंपनियों गेल गैस., महानगर गैस, टॉरेंट गैस, अडाणी गैस और हरियाणा सिटी गैस लिमिटेड आदि ने कुल मिलाकर पांच लाख घनमीटर प्रतिदिन की गैस के लिए बोली लगाई। ये कंपनियां इस गैस को सीएनजी और रसोई में इस्तेमाल वाली पीएनजी में बदलती हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों गेल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को 6-6 लाख घनमीटर प्रतिदिन की गैस मिली। वहीं गुजरात राज्य पेट्रोलियम निगम (जीएसपीसी) को पांच लाख घनमीटर और शेल को दो लाख घनमीटर गैस हासिल हुई।

रिलायंस-बीपी ने दो साल पहले घरेलू गैस उत्पादन में गिरावट के रुख को पलट दिया था। उसने बंगाल की खाड़ी के गहरे समुद्र क्षेत्र में केजी-डी6 ब्लॉक में दूसरे दौर की खोजों से उत्पादन शुरू कर इस रुख को पलटा था। प्राकृतिक गैस एक स्वच्छ और दक्ष ईंधन है। यह विभिन्न देशों के शून्य उत्सर्जन वाले ईंधन की ओर बढ़ने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। रिलायंस-बीपी ने ताजा निविदा में एक जून से तीन साल की अवधि के लिए 50 लाख घनमीटर प्रतिदिन गैस की पेशकश की थी।

पेट्रोल और डीजल नोएडा में सस्ता, पटना में महंगा

- ब्रेंट क्रूड 1 डॉलर से ज्यादा टूटकर 74.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भले ही कोई खास बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार को घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ बदलाव किया है। एनसीआर के नोएडा शहर में जहां तेल सस्ता हुआ है, वहीं बिहार की राजधानी पटना में तेल के दाम बढ़ गए हैं।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) जिले में रे विवार को पेट्रोल 15 पैसे सस्ते ता होकर 96.64 रुपए लीटर हो गया है. यहां डीजल 14 पैसे गिरकर 89.82 रुपए लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 24 पैसे टूटकर 107.48 रुपए लीटर और डीजल 22 पैसे टूटकर 94.26 रुपए लीटर बिक रहा है। इसी तरह हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में भी पेट्रोल 22 पैसे सस्ते ता होकर 96.77 रुपए लीटर पहुंच गया है तो डीजल 21 पैसे टूटकर 89.65 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो इसकी कीमतों में बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड 1 डॉलर से ज्यादा टूटकर 74.79 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी वैश्विक बाजार में 1 डॉलर से ज्यादा की गिरावट के साथ 70.17 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 96.77 रुपए और डीजल 89.65 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

इस हफ्ते बाजार में चार आईपीओ आएंगे

- अर्बन एनवायरो वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड का आईपीओ 12 जून को खुलेगा

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में आईपीओ की बहार आने वाली है। अगले हफ्ते एक नहीं बल्कि 4 आईपीओ सब्सिक्रप्शन के लिए खुलेंगे। ये 4 कंपनियां हैं- अर्बन एनवायरो वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड, बिजोटिक कमर्शियल लिमिटेड, कॉस्मिक सीआरएफ लिमिटेड और सेल प्वाइंट लिमिटेड। वेस्ट मैनेजमेंट सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी अर्बन एनवायरो वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कई शहरों के नगर निगमों और नगर पालिकाओं को अपनी सेवाएं देती है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जून को खुलेगा और 14 जून को बंद होगा। आपीओ के लिए कंपनी ने शेयरों का भाव 100 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी की योजना कुल 11.42 करोड़ रुपए जुटाने की है। यह कंपनी अर्बन यूनाइटेड नाम से रेडीमेड गारमेंट्स को बनाने और बेचने वाली कंपनी बिजोटिक कमर्शियल का आईपीओ सोमवार 12 जून को बोली के खुलेगा और 15 जून को बंद होगा। कंपनी ने अपने आपीओ के लिए शेयरों का भाव 175 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी की योजना आईपीओ से कुल 42.21 करोड़ रुपए जुटाने की है। यह एक मल्टीब्रांड रिटेल सेलिंग प्वाइंट्स है। सेल प्वाइंट (इंडिया) लिमिटेड प्राइमरी मार्केट से 50.34 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। कंपनी 15 जून को अपना आईपीओ लांच करेगी। कंपनी ने इश्यू के लिए प्राइस बैंड 100 रुपए प्रति शेयर तय किया है। यह आईपीओ 20 जून को बंद होगा। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को कोल-रोल्ड स्टेनलेस सेक्शन सप्लाई करने वाली कंपनी कॉस्मिक सीआरएफ का आईपीओ की तारीख 14 जून को खुलने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

डी विलियर्स के ट्वीट पर भड़के भारतीय प्रशंसक

लंदन । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डी विलियर्स के विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप (डब्लूयटीसी) फाइनल को लेकर किये एक ट्वीट पर भारतीय प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने कहा कि विलियर्स इस मामले में अपनी सलाह अपने पास ही रखें। डी विलियर्स के ट्वीट पर प्रशंसक इसलिए नाराज हुए क्योंकि अधिकांश समय परिणाम उनकी सलाह के विपरीत आया है। प्रशंसकों के अनुसार डी विलियर्स के ट्वीट भारतीय टीम और विराट कोहली के लिए शुभ साबित नहीं हुए हैं। इससे पहले टी20 विश्व कप, एशिया कप और आईपीएल के अलावा कई अहम अवसरों पर डी विलियर्स ने भारत और विराट के पक्ष में ट्वीट किए थे पर अधिकतर उनके ट्वीट गलत निकले। इसी कारण प्रशंसकों ने उन्हें इस बार शांत रहने को कहा है। डिविलियर्स ने लिखा अगर 5वें दिन भारतीय बल्लेबाज स्पिनर नाथन लायन को खेल लेते है और दूसरी नई गेंद आने तक टीम एक ही विकेट गंवाती है तो नहीं कह सकते कि क्या हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने जीत के लिए 444 रनों का लक्ष्य रखा है। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने 3 विकेट के नुकसान पर 164 रन बना लिए थे। बल्लेबाज विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे की जोड़ी क्रीज पर हैं और दोनों के बीच अभी तक 71 रनों की साझेदारी हुई है। भारतीय को अगर यह मैच जीतना है तो इन दोनों को इस साझेदारी को 200 के पार पहुंचाना होगा।

भारतीय टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना फिर टूटा

ऑस्ट्रेलिया बनी डब्ल्यूटीसी विजेता

लंदन ।

भारतीय टीम का आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल जीतने का सपना फिर टूट गया है। द ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने इस महामुकाबले में भारतीय टीम को 209 रन से हराकर ट्रॉफी पर अपना कब्जा कर लिया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 444 रन का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 234 रनों पर ही सिमट गयी। यह दूसरी बार है जब भारतीय टीम खिताबी मुकाबले में हारी है। इससे पहले साल 2021 में उसे न्यूजीलैंड ने फाइनल में हराया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में टिक नहीं पायी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने चौथे दिन अपनी दूसरी पारी 8 विकेट पर 270 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 164 रन बना लिए थे। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय अजिंक्य रहाणे 20 और विराट कोहली 44 रनों पर खेल रहे थे। वहीं कप्तान रोहित शर्मा 43 रन, शुभमन गिल 18 और चेतेश्वर पुजारा 27 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। शुभमन के कैच पर विवाद उठा पर अंत में अंपायर ने उन्हें आउट दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस, नाथन लियोन और स्कॉट बोलैंड ने 1-1 विकेट लिए। अंतिम दिन भारतीय टीम को जीत के लिए से 280 रन चाहिये थे जबकि उसके पास सात विके थे। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 469 रन बनाये थे जबकि भारतीय टीम ने 296 रन बनाये थे। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी के आधार पर 173 रनों की बढ़त मिली हुई थी। इसका भी उसे लाभ मिला जिससे उसने भारतीय टीम पर दबाव बना दिया। भारतीय बल्लेबाज टेस्ट मुकाबले के अंतिम दिन आधे दिन भी मैच में नहीं टिक सके जबकि भारतीय टीम को केवल 280 रनों की जरुरत थी और भारतीय टीम के पास सात विकेट थे। मगर भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। पांचवे दिन का खेल शुरू होने पर भारतीय टीम के लिए क्रीज पर विराट और रहाणे मौजूद थे। दोनों से उम्मीद थी की लंबे समय तक ये क्रीज पर रहे मगर ऐसा हो नहीं सका। विराट अपना अर्धशतक पूरा करने से एक रन पहले ही आउट हो गए। 47वें ओवर की तीसरी गेंद पर बोलैंड ने उन्हें शिकार बनाया। कोहली ने 78 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 49 रन बनाए। विराट और रहाणे के बीच चौथे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई। कोहली के बाद अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने भी निराश किया वह भी दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले ही वो पवेलियन लौटे। वो एलेक्स कैरी के हाथों कैच थमा बैठे। इसी के साथ भारत की आधी टीम पवेलियन लौट गई और स्थिति काफी खराब हुई। इसके बाद रहाणे मौजूद थे उन्होंने केएस भरत के साथ मिलकर पारी संभालने का प्रयास किया पर वह भी 108 गेंदों में 46 रनों का स्कोर बनाकर आउट हुए। इसके बाद भारतीय टीम अपने आप को संभाल नहीं सकी और एक के बाद एक बल्लेबाज पेवेलियन लौटते गये।

आईसीसी के सभी टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बनी ऑस्ट्रेलिया

इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया पहली टीम बन गई है जिसके पास आईसीसी के सभी टूर्नामेंट जीतकर ट्रॉफी कब्जे में करने की उपलब्धि है। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली टीम है जिसने आसीसी वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी भी जीत ली है।

भारतीय टीम का आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार और बढ़ा

वहीं भारतीय टीम 10 वर्षों से आईसीसी की किसी ट्रॉफी पर कब्जा नहीं कर सकी है। वहीं इस हार के साथ भारत का सूखा और अधिक समय के लिए बढ़ गया है।

भारत की हार के ये कारण रहे

बल्लेबाज नाकाम रहे = भारतीय बल्लेबाजों में केवल अजिंक्य रहाणे ही ऑस्ट्रेलिया का सामना कर पाये जबकि अन्य विफल् रहे। रहाणे ने पहली पारी में 89 तो दूसरी पारी में 46 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंच पाया।

वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल दो बल्लेबाज ही भारतीय टीम पर भारी पड़ गये। उसने पहली पारी में 469 रन बनाए, जिसमें स्मिथ के 121 जबकि ट्रेविस हेड के 163 रन शामिल रहे। इन दोनों ने मिलकर ही पहली पारी में 284 रन बना दिए। इनपर अंकुल लगाने में भारतीय गेंदबाजों की विफलता भी हार का एक कारण रही।

नाकामुरा बने नॉर्वे शतरंज के विजेता , तीसरे स्थान पर रहे भारत के गुकेश

स्टावेंगर , नॉर्वे (निकलेश जैन) नॉर्वे ग्रांड मास्टर शतरंज 2023 का खिताब यूएसए के ग्रांड मास्टर हिकारु नाकामुरा नें जीत लिया है, अंतिम राउंड में उन्होने हमवतन फबियानों करूआना को मात देते हुए 16.5 अंको के साथ पहला स्थान हासिल किया जबकि पूरे टूर्नामेंट में सबसे आगे चल रहे करूआना 16 अंको के साथ दूसरे स्थान पर रहे गए । बड़ी बात यह रही की अपने शानदार खेल के चलते इस टूर्नामेंट के बाद अब नाकामुरा विश्व शतरंज रैंकिंग में 2787 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गए है वही करूआना भी अपनी रेटिंग में 8 अंक जोड़ते हुए 2781 अंको के साथ तीसरे स्थान पर पहुँच गए है । भारत के डी गुकेश नें अंतिम राउंड में यूएसए के वेसली सो के साथ क्लासिकल मुक़ाबला ड्रॉ खेला और फिर टाईब्रेक में उन्हे मात देते हुए 14.5 अंको के साथ तीसरे स्थान पर रहे , गुकेश नें अपनी रेटिंग में 8 अंक जोड़ते हुए 2744 लाइव रेटिंग हासिल कर ली और अव वह विश्व के 13वे नंबर के खिलाड़ी बन गए है साथ ही अब उनके गुरु विश्वनाथन आनंद और गुकेश के बीच सिर्फ 10 रेटिंग अंको का फासला रह गया है ।

भारतीय टीम ने पहली बार जूनियर महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीता

काकामिगहारा ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहली बार जूनियर महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीता है। भारतीय टीम ने दक्षिण कोरियाई टीम को फाइनल में 2-1 से हराकर यह अहम उपलब्धि अपने नाम की है। भारतीय टीम की इस जीत में अन्नू और नीलम की अहम भूमिका रही। अन्नू ने 22वें मिनट और नीलम ने 41 वें मिनट में ये गोल किये। वहीं दक्षिण कोरिया की की ओर से एकमात्र गोल सियोओन पाकर ने 25 वें मिनट में किया। एक दशक के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय लड़कियों ने इस मैच में आक्रामक रुख अपनाया। पहले क्वार्टर में दोनो ही टीमें गोल नहीं कर पायीं। वहीं कोरिया को दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही दो पेनाल्टी कार्नर मिले पर वह गोल नहीं कर पायी। भारत की ओर से 21वें मिनट में अन्नू ने पेनल्टी स्ट्रोक से गोल कर भारतीय टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद कोरियाई टीम ने बराबरी के प्रयास शुरु कर दिये। मैच के 25वें मिनट में सियोओन ने एक ने गोल कर कोरियाई टीम को बराबरी पर ला दिया। तीसरे क्वार्टर में नीलम ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने के साथ ही भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद भी भारतीय टीम को गोल करने के अवसर मिले पर वह सफल नहीं हो पायी।

संक्षिप्त समाचार

स्वियातेक ने लगातार दूसरी बार फ्रेंच ओपन जीता

फाइनल में मुकोवा को हराया

पेरिस। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने लगातार दूसरी बार फ्रेंच ओपन टेनिस का महिला एकल खिताब जीता है। स्वियातेक ने फाइनल में चेक गणराज्य की कैरोलीना मुकोवा को 6-2, 5-7, 6-4 से हराया। ये मुकाबला करीब 45 मिनट तक चला। इसमें पहला सेट हारने के बाद मुकोवा ने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की पर स्वियातेक ने तीसरा सेट जीतकर खिताब पर कब्जा कर दिया। इस जीत के साथ ही स्वियातेक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई हैं। यह पोलिस खिलाड़ी के करियर का तीसरा रोलां गैरो और कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इस खिलाड़ी ने पिछले साल अमेरिकी ओपन भी जीता था। इसी के साथ ही अब 22 साल की उम्र में स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं। स्वियातेक ने जीत के बाद कहा, सबसे पहले कैरोलीना को शुभकामनाएं। मैं जानती थी कि यह मुश्किल मैच होने वाला है। मैं उम्मीद करती हूं कि हम एक दूसरे के खिलाफ और फाइनल खेलेंगे। आपकी टीम को भी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, मैं अपनी टीम को बधाई देती हूं क्योंकि भले ही यह अकेले खिलाड़ी का खेल है, लेकिन टीम के बिना कुछ संभव नहीं हो सकता। आपके बिना मैं यहां नहीं पहुंच सकती थी। मेरे परिवार को शुभकामनाएं। वहीं दूसरी ओर, गैर वरीयता प्राप्त मुकोवा के लिये भी यह एक यादगार अभियान रहा। यह किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 के सेमीफाइनल तक सफर किया था। मुकोवा ने कहा, मैं और मेरी टीम तीन सप्ताह से पेरिस में है। यह शानदार अनुभव रहा है। यह बहुत करीबी मुकाबला था लेकिन जब आप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिलाफ खेलते हैं तो ऐसा होता है।

शुभमन को आउट दिये जाने के फैसले को कैरी ने सही बताया

लंदन । विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को आउट दिये जाने के अंपायर के फैसले पर जहां सवाल उठे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने इसे सही फैसला करार दिया है। कैरी ने चौथे दिन के खेल के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने भारतीय टीम को एक अच्छा लक्ष्य दिया है। हमें और विकेट की जरूरत है हालांकि विराट कोहली और आजिंक्य रहाणे अच्छा खेल रहे हैं। कैमरन ग्रीन ने जिस प्रकार शुभमन का कैच लिया। वह भी हमारे लिए सही रहा क्योंकि वह 6 रन प्रति ओवर के रन रेट से स्कोर कर रहे थे। शुभमन दूसरी पारी के 8वें ओवर में आउट हुए थे। तब शुभमन ने स्कॉट बोलैंड के इस ओवर की पहली गेंद को रक्षात्मक रुप से खेलने का प्रयास किया पर गेंद उनके बल्ले को किनारा लेकर ग्रीन के पास पहुंच गयी ओ वह कैच हो गये। कैमरे में कई बार देखने के बाद अंपायर ने शुभमन को आउट करार दिया। अंपायर के अनुसार ग्रीन की उंगली गेंद के नीचे थी पर कैमरे में ऐसा कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। ऐसा लग रहा था कि गेंद जमीन पर लग गई है। जिससे बाद माना जा रहा था कि शुभमन आउट नहीं हुए हैं।

मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार चैंपियन्स लीग फुटबॉल खिताब जीता

इस्तांबुल ।

मैनचेस्टर सिटी ने यहां इंटर मिलान को 1-0 से हराकर पहली बार चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। सिटी की इस जीत में स्पेन के रोड्री की अहम भूमिका रही। रोड्री ने

मिलान को 1-0 से हराया

ही मैच का एकमात्र विजयी गोल 68वें मिनट में किया। इसी के साथ ही सिटी को पहली बार यूरोपीय क्लब फुटबॉल का शीर्ष खिताब मिला है।

टीम के मैनेजर पेप गुआर्डियोला ने टीम की खिताबी जीत के बाद कहा, 'यह किस्मत में लिखा था। यह हमारा है। टीम को चैंपियन्स लीग का खिताब जीतने में लंबा समय लगा है। गुआर्डियोला की टीम के लिए यह अंतिम मोर्चा था। टीम ने मौजूदा सत्र में प्रीमियर लीग और एफए कप के खिताब जीतने के बाद से ही अपना तीसरा खिताब जीता है।

इस खिताबी जीत से गुआर्डियोला का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ कोच होने का दावा भी पक्का हुआ है। यह उनका तीसरा चैंपियन्स लीग खिताब और कुल 30वां बड़ा खिताब है। गुआर्डियोला ने दूसरी बार सत्र में खिताबी हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले साल 2009 में वह बार्सीलोना के साथ जीते हैं। सिटी इंग्लैंड का दूसरा क्लब है जिसने एक ही सत्र में तीन बड़े खिताब जीते हैं। मैनचेस्टर यूनाईटेड ने इससे पहले 2009 में यह कारनामा किया था।

वहीं इंटर मिलान को मुकाबले में एक अच्छा अवसर मिला था पर स्थानापन्न खिलाड़ी रोमेलु लुकालु 89वें मिनट में गोल नहीं दाग पाये। वहीं इंटर के कोच साइमन इंजागी ने कहा, 'हम हारने के हकदार नहीं थे। हम शीर्ष टीम के खिलाफ शानदार तरीके से खेले।

एशिया कप विवाद का हल निकलेगा , पीसीबी के 'हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव पर तैयार हुई एसीसी !

विश्वकप के लिए पाक टीम के भारत दौरे पर लगी आशंकाएं भी दूर होंगी

मुम्बई ।

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी का हल निकलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) एशिया कप के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के 'हाइब्रिड मॉडल को मानने के लिए तैयार हो गया है। इसके तहत अब भारतीय टीम के मुकाबले तटस्थ स्थल पर होंगे। इसमें चार एशिया कप मुकाबलों का आयोजन पाकिस्तान जबकि बाकी मुकाबलों का आयोजन श्रीलंका के गॉल और पाल्लेकल में होगा। इस मामले में एसीसी को अभी औपचारिक घोषणा करनी बाकि है। एसीसी के हाइब्रिड मॉडल को आधिकारिक तौर पर स्वीकार किए जाने के कारण अब अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए भी पाकिस्तान टीम के भारत आने पर लगी आशंकाएं समाप्त हो गयी हैं। अब पाकिस्तान को अहमदाबाद में खेलने में कोई दिक्कत नहीं होने की संभावना है। अधिकांश देश हाइब्रिड मॉडल नहीं चाहते थे। ऐसे में एसीसी कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों में से एक ओमान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख पंकज खिमजी को इस मामले का हल निकलने की जिम्मेदारी दी गयी थी। अब पाकिस्तान बनाम नेपाल, बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान, अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका और श्रीलंका बनाम बांग्लादेश के मैच ही लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। वहीं , भारत बनाम पाकिस्तान के दो मैच और अन्य सभी सुपर फोर गेम्स श्रीलंका के पल्लेकेले या गाले में आयोजित किए जाएंगे। एशिया कप सितंबर में होने की उम्मीद है। इससे पहले जब आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस और अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी से कराची में मुलाकात की थी तो यह निर्णय लिया गया कि पाकिस्तान विश्व कप के लिए कोई शर्त नहीं रखेगा। एशिया कप मेजबान होने के कारण उसके यहां चार मैच खेले जाएंगे।

शमी ने तीसरे अंपायर पर सवाल उठाये

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने ऑस्ट्रेलिया के साथ जारी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के चौथे दिन सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को कैच आउट दिये जाने को लेकर सवाल उठाये हैं। शमी ने कहा कि तीसरे अंपायर रिचर्ड कैटलब्रो को यह अच्छी तरह देखना चाहिये था कि कैमरुन ग्रीन ने शुभमन का जो कैच लिया है। वह सही से लिया है या नहीं। शमी ने कहा, इस मामले में अंपायर थोड़ा और समय ले सकते थे क्योंकि ये विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल था न कि कोई सामान्य मैच। कैच सही से लिया गया था या नहीं, इसे और बेहतर ढंग से देखा जाना चाहिए था। इस मामले में आप और समय ले सकते थे हालांकि ये खेल का हिस्सा है इसलिए इस पर अब ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। गौरतब है कि शुभमन दूसरी पारी के 8वें ओवर में बोलैंड की एक बाहर जाती गेंद पर शॉट खेलने के प्रयास में स्लिप में कैच हुए हालांकि इसपर विवाद भी हुआ। इसका कारण ये रहा कि टीवी रीप्ले में ये भी ये साफ नहीं था कि ग्रीन ने उनका कैच कैसे पकड़ा है। ऐसा लग रहा था कि कैच से पहले गेंद जमीन से लगी थी पर संदेह का लाभ भी बल्लेबाज को नहीं दिया गया।

पोंटिंग ने माना,गेंद का कुछ हिस्सा जमीन पर लगा

लंदन ।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दूसरी पारी में शुभमन गिल के कैच को लेकर अंपायर के फैसले का वह सम्मान करते हैं पर उन्हें भी लगा कि गेंद का कुछ हिस्सा जमीन पर लगा था। इस मैच में जीत के लिए दूसरी पारी में 444 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की ओर से शुभमन और कप्तान रोहित शर्मा ने तेज शुरुआत की पर तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड की एक गेंद पर शुभमन के कैच को लेकर विवाद उठा गया। इममें टीवी रिप्ले में दिखा की गेंद जमीन पर लगकर उछली थी हालांकि टीव अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने बल्लेबाज को आउट दे दिया।

पोंटिंग ने कहा, मुझे वास्तव में लगता है कि गेंद का कुछ हिस्सा जमीन को छू गया था और यह अंपायर की व्याख्या है कि जब तक गेंद को जमीन पर हिट करने से पहले फील्डर के पास गेंद पर पूरा नियंत्रण होता है तो वह आउट होता है। अंपायरों की व्याख्या यही रही होगी और मुझे लगता है कि वास्तव में ऐसा ही हुआ। यह संभवत- जमीन से छह या आठ इंच ऊपर उठी और उसके बाद एक और कार्रवाई हुई। उन्हें उम्मीद है कि खेल के बाद और उसके कैच पर व्यापक रूप से चर्चा की जाएगी और इस मामले में राय विभाजित ही होती रहेगी। पोंटिंग ने सुझाव दिया, मुझे भरोसा है कि इसके बारे में बहुत बात होगी और ऑस्ट्रेलिया की तुलना में भारत में शायद अधिक बात होगी। भारत में हर कोई सोचेगा कि यह आउट नहीं है और ऑस्ट्रेलिया में हर कोई सोचेगा कि यह आउट है। केटलबोरो द्वारा लिया गया निर्णय मैदानी अंपायरों द्वारा किए गए सॉफ्ट सिग्नल से संबंधित नियमों में हाल ही में किए गए बदलाव के बाद किया गया था जिसे खेल से हटा दिया गया है। दक्षिण लंदन में एकमात्र टेस्ट नए नियमों के तहत खेला जाने वाला दूसरा टेस्ट मैच है जिसमें मैदानी अंपायरों को अपना इनपुट देने की आवश्यकता नहीं होती है और पोंटिंग का मानना है कि इससे अनुभवी अधिकारी द्वारा किए गए निर्णय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, अगर इसे मैदान पर आउट दिया गया होता तो मुझे लगता है कि तीसरे अंपायर को उस फैसले को पलटने के लिए निर्णायक सबूत खोजने होंगे और मुझे नहीं लगता कि निर्णायक सबूत होते।

उन्होंने कहा, ये इसलिए क्योंकि सॉफ्ट सिग्नल के बिना भी तीसरे अंपायर ने सोचा कि यह आउट है। अंत में मुझे लगता है कि शायद सही फैसला किया गया है।

न्यूयार्क में बेलमोंट स्केटस जीतने के बाद ट्रॉफी उठाये हुए आरकेनजिलो ट्रेनर जीना एंटोसुई, टीम मालिक जॉन एबर्ट व जॉकी जेविसर कैसटीलेनो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक़र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद एक खूबसूरत रत्न

जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न-

जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

लंदन में गर्मी से लोग बेहाल, परेड के दौरान प्रिंस के सामने बेहोश हो गया सैनिक

लंदन । यूनाइटेड किंगडम की राजधानी प्रिंस विलियम के सामने वार्षिक ट्रूपिंग द कलर परेड के लिए अंतिम रिहर्सल के दौरान शनिवार को तीन सैनिक बेहोश गए। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। सैनिकों ने लगभग 30 डिग्री सेल्सियस लंदन की गर्मी में ऊनी अंगरखा और भालू की खाल की टोपी पहन रखी थी। लंदन में शनिवार को तापमान 30 डिग्री तक पहुंच गया था। प्रिंस विलियम ने एक ट्वीट में लिखा कि आज सुबह की गर्मी में कर्नल की समीक्षा में हिस्सा लेने वाले हर सैनिक को बहुत-बहुत धन्यवाद। मुश्किल हालात लेकिन आप सभी ने वास्तव में अच्छा काम किया। धन्यवाद। एक फॉलो-अप ट्वीट में प्रिंस ने लिखा कि इस तरह के आयोजन में जो मेहनत और तैयारी होती है, उसका श्रेय इसमें शामिल सभी लोगों को जाता है, खासकर आज की परिस्थितियों में। वीडियो में देखा जा सकती है कि एक सैनिक जो बेहोश हो गया था, परेड में हिस्सा लेने के लिए प्रयास में फिर से उठ गया, लेकिन कुछ ही समय बाद मेडिक्स उसकी मदद के लिए दौड़ते दिखे। यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी ने दक्षिण इंग्लैंड के लिए गर्म मौसम की चेतावनी जारी की है।

अब अमेरिका में भी रोशनी के त्यौहार दिवाली पर स्कूलों में रहेगी छुट्टी

-सीनेट और विधानसभा दोनों ने किया विधेयक पारित

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क राज्य विधानमंडल ने दिवाली पर शहर के स्कूलों में छुट्टी घोषित करने के लिए एक विधेयक पारित किया है। सीनेट और विधानसभा दोनों ने शनिवार की सुबह अपना सत्र समाप्त करने से पहले विधेयक के लिए मतदान किया और अब इसे कानून बनाने के लिए गवर्नर कैथी होचुल के अपेक्षित हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है। बिल पेश करते हुए विधानसभा सदस्य जेनिफर राजकुमार ने कहा कि दिवाली को स्कूल की छुट्टी कर दक्षिण एशियाई, इंडो-कैरेबियाई, हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध समुदायों की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने का पुराना समय आ गया है। इन समुदायों के अनुमानित 2 लाख छात्र रोशनी के त्यौहार को अपने तरीके से स्कूल से मुक्त करने में सक्षम होंगे। जेनिफर ने कहा कि न्यूयॉर्क में राज्य कार्यालय के लिए चुनी गई पहली हिंदू-अमेरिकी और दक्षिण एशियाई-अमेरिकी महिला के रूप में मैं दिवाली मनाने वालों सहित नए अमेरिकी समुदायों की वकालत करने में विशेष गर्व महसूस करती हूं। 2021 और 2022 में कानून पारित करने के पहले के दो प्रयास सफल नहीं हुए। बिल के प्रायोजकों, जेनिफर राजकुमार और राज्य के सीनेटर जोसेफ अडाबो के बाद बिल ने अंतिम समय की बाधा को पार कर लिया, दीवाली को ब्रुकलिन-क्वींस डे की छुट्टी की जगह लेने और इसे शहर के विवेक पर छोड़ने का प्रस्ताव रखा। दिवाली इसके बजाय हर साल आवश्यक 180 दिनों की कक्षा को बनाए रखने के लिए एक अस्पष्ट अवकाश, वर्षगांठ दिवस की जगह ले सकता है। फरवरी में न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल ने दीवाली को स्कूल की छुट्टी करने के लिए काउंसिलवुमेन लिंडा ली द्वारा प्रस्तावित एक प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन इसके लिए राज्य स्तर की स्वीकृति की जरूरत थी। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने अपने पूर्ववर्तियों और स्कूलों के चांसलर डेविड बैंक्स के विपरीत कानून का समर्थन किया है।

पाकिस्तान में बारिश से 28 लोगों जान गई, बिपरजॉय चक्रवात का अलर्ट जारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में आफत की बारिश आई, जो कई मौत के घाट पहुंचा दिया। पश्चिमोत्तर इलाके में शनिवार को हुई भारी बारिश के कारण कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 145 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण कई मकान गिर गये। मीडिया के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू, लक्की मरवत और करक जिलों में बारिश और ओलावृष्टि हुई है, जिससे कई पेड़ उखड़ गये और बिजली के खंभे गिर गये। अहमद ने कहा कि अधिकारी घायलों को आपात राहत मुहैया कराने के लिए काम कर रहे हैं। पिछले महीने, गर्मियों में असामान्य हिमपात के दौरान हिमस्खलन से महिलाओं और बच्चों सहित लगभग एक दर्जन लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने तूफान से हुई जनहानि पर शनिवार को दुख जताया और अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस बीच, अरब सागर से आ रहे चक्रवात बिपरजॉय के मद्देनजर शरीफ ने अधिकारियों को आपातकालीन उपाय करने का आदेश भी जारी कर दिया है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने कहा है कि अरब सागर में बने चक्रवात बिपरजॉय के देश में दस्तक देने का अनुमान नहीं है, लेकिन सिंध और बलूचिस्तान में तटीय क्षेत्रों में अधिकारियों को सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पाकिस्तान की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि 150 किमी प्रति घंटे (93 मील प्रति घंटे) की रफ्तार वाला गंभीर और तीव्र चक्रवात देश के दक्षिण की ओर बढ़ रहा था. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने मछुआरों को 13 जून तक समुद्र में नहीं जाने की भी सलाह दी है।

ट्विटर की सीईओ लिंडा याकारिनो ने कहा, हम इतिहास रच रहे हैं

वाशिंगटन। ट्विटर की नई सीईओ लिंडा याकारिनो ने कहा कि किसी अन्य प्लेटफॉर्म में वह ताकत नहीं है, जो ट्विटर के पास है और वे इतिहास रचने जा रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में ट्विटर के सीईओ के रूप में एलन मस्क की जगह लेने वाले याकारिनो ने कहा कि पहला सप्ताह नशा करने वाला रहा है। उन्होंने ट्वीट में कहा, किसी अन्य मंच के पास यह शक्ति नहीं है और किसी अन्य जगह में वे लोग नहीं हैं, जिनसे मैं इस सप्ताह मिली हूं। बने रहें-हम इतिहास बना रहे हैं। याकारिनो ने कहा, ट्विटर का मिशन स्पष्ट है और सभी को आमंत्रित किया गया है, निर्माता, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, हर कोई बीच में है। याकारिनो ने लिखा, पहला हफ्ता काफी नशीला रहा है। ट्विटर जैसा कुछ भी नहीं है, इसके लोग, आप सब और मैं इन सबके लिए यहां हूं। याकारिनो उस समय ट्विटर से जुड़े जब अप्रैल में इसकी अमेरिकी विज्ञापन बिक्री में 59 प्रतिशत की गिरावट आई और मई का महीना भी उज्जवल नहीं दिख रहा था। 1 अप्रैल से मई के पहले सप्ताह तक पांच सप्ताह के लिए ट्विटर का अमेरिकी विज्ञापन राजस्व 88 मिलियन डॉलर था, जो एक साल पहले के मुकाबले 59 प्रतिशत कम था। रिपोर्ट में कहा गया है, आंतरिक पूर्वानुमानों में, कंपनी ने अनुमान लगाया है कि विज्ञापन बिक्री में गिरावट जारी रहेगी, इसके नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी को कड़ी चुनौती दी जाएगी। याकारिनो ने पिछले महीने कहा था कि वह ट्विटर 2.0 बनाने और मस्क और लाखों प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं के साथ मिलकर कारोबार को बदलने के लिए तैयार हैं।

क्राइम फिल्में देखकर खून करने का मन बनाया और कर दी टीचर की हत्या

सिओल। क्राइम फिल्में देखकर कई लोग इस कदर डिप्रेस हो जाते हैं कि वे स्वयं भी क्राइम करने का मन बना लेते हैं। ऐसा ही एक मामला साउथ कोरिया का है जहां एक महिला ने सिर्फ यह जानने के लिए टीचर की हत्या कर दी कि वाकई हत्या करने के बाद उसे कैसा महसूस होता है। उस महिला ने सिर्फ इसलिए किसी की हत्या कर दी हो क्योंकि उसे ये जानना था कि हत्यारे लाश को छुपाते कैसे हैं और हत्या करके कैसा महसूस होता है। दरअसल, साउथ कोरिया की 23 साल की जंग यू-जंग नाम की महिला को क्राइम के बारे में टीवी शो और फिल्में देखने का बहुत शौक था। वह इससे जुड़ी किताबें भी पढ़ा करती थी। इन सब चीजों में उसे इतनी ज्यादा दिलचस्पी थी कि उसने हत्या के बाद के अनुभव को महसूस करने का फैसला किया। ज्यादा क्राइम फिल्में देखने के कारण, उसे भी खूनी बनने का मन कर गया।उसने पूरा प्लान तैयार किया। ऑनलाइन ट्यूटर प्रोवाइड कराने वाले एक एप पर रेजिस्टर कर एक महिला टीचर को खोजा। उससे फोन पर कहा कि वो अपनी 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली बेटी के लिए होम ट्यूटर ढूंढ रही है और इसके बाद वह खुद छात्रा बनकर टीचर के घर पहुंच गई।

उसने ऑनलाइन एक स्कूल यूनिफॉर्म खरीद ली थी। उसका कद छोटा था, ऐसे में स्कूल यूनिफॉर्म पहनने के बाद वो 9वीं कक्षा की ही लग रही थी। वो महिला टीचर के घर पहुंची और बातों-बातों में उसके पेट में चाकू मार दिया। महिला इतने पर नहीं थमी। बल्कि उसने टीचर के शरीर के टुकड़े किए और सूटकेस में भर लिए। उसने लाश की बदबू रोकने के लिए दुकान से प्लास्टिक की थैलियां और ब्लीच खरीद लिया था। इसके अलावा महिला को लापता दिखाने के लिए, उसने उसका आईडी कार्ड, फोन आदि अपने पास ही रख लिया था।

एमिसबरी ब्रिटेन में स्टोनहेंज का दौरा करते हुए लोग। ये स्टोनहेंज नियोलीथिक समय के है। इन्हें यूनेस्को के विश्व पुरात्विक स्थलों में भी जगह मिली है।

हिंसा के मामले में इमरान खान के खिलाफ कार्यवाही दो-तीन सप्ताह में शुरू होगी : पाकिस्तान के गृह मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा है कि भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की नौ मई को हुई गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा के लिए खान के खिलाफ दो-तीन सप्ताह के भीतर कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख खान (70) ने हिंसा में अपनी संलिप्तता से इनकार करते हुए कहा कि जब हिंसक घटनाएं हुईं तो वह जेल में थे। सनाउल्लाह ने शनिवार रात 'जियो न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए खान ''100 प्रतिशत'' जिम्मेदार थे। गृह मंत्री ने कहा, ''पाकिस्तान में जो कुछ भी हुआ पाकिस्तानी राजनीति में नफरत, पाकिस्तान की राजनीति में अराजकता, पाकिस्तान में आर्थिक गिरावट और देश में अस्थिरता-केवल एक ही व्यक्ति इन सबका सूत्रधार है। उसका नाम इमरान खान है।'' मंत्री ने आरोप लगाया कि खान ने युवाओं के मन में जहर घोल दिया और वह ''राजनीतिक विरोधियों की मौत'' से कम कुछ भी स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।

ब्रिक्स देशों में शामिल होना चाहता है बदहाल पाकिस्तान

-भारत-चीन भी इसके सदस्य, अमेरिका और पश्चिम देशों को टक्कर देने के लिए बना ये संगठन

वाशिंगटन (एजेंसी)। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान ने ब्रिक्स देशों के संगठन में शामिल होने की इच्छा जताई है। पाकिस्तान की सरकार देश को बदहाली से निकालने की कोशिशों में जुटी है। इस बीच रिपोर्ट दावा किया गया है कि पाकिस्तान अगस्त में साउथ अफ्रीका में होने वाले ब्रिक्स समिट में संगठन में शामिल होने की मांग को आगे बढ़ा सकता है। भारत और चीन के अलावा रूस, ब्राजील और साऊथ अफ्रीका इस संगठन के सदस्य हैं।

पाकिस्तान के साथ-साथ सऊदी अरब, ईरान समेत 19 देशों ने ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए पेशकश की है। ब्रिक्स देशों ने भी संगठन को मजबूत करने के लिए और सदस्यों को जोड़ने की बात कही है। हालांकि, इसमें पाकिस्तान को जगह मिलना लगभग नामुमकिन है।

पाकिस्तान को शामिल किया तो भारत छोड़ देगा सदस्यता?

दुनिया के बड़े संस्थानों पर अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबदबे के खिलाफ ब्रिक्स को 16 जून 2009 में बनाया गया था। उस दौरान इसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन शामिल थे। साउथ अफ्रीका दिसंबर 2010 में इसका सदस्य बना।

इस ग्रुप में ज्यादातर तेजी से विकास करने वाले देश हैं। ऐसे में पाकिस्तान के इसमें जुड़ने से संगठन की विश्वसनीयता घट जाएगी। न्यूज वेबसाइट फर्स्ट पोस्ट के मुताबिक भारत को संगठन में पाकिस्तान का शामिल होना पसंद नहीं होगा और वो एक्टिव मेंबर के तौर पर काम करना बंद कर देगा। भारत लगातार पाकिस्तान पर आतंक फैलाने के आरोप लगाता रहा है। 2016 के ब्रिक्स सम्मेलन में तो पीएम मोदी ने पाकिस्तान को आतंक की मां तक कह दिया। वहीं, अगर भारत ब्रिक्स से अलग होता है तो संगठन कमजोर पड़ जाएगा।

पाकिस्तान के ब्रिक्स में शामिल न हो पाने की 3 वजहें...

1) फाइनेंस सबसे बड़ी वजह है। ब्रिक्ससीधे तौर पर दुनिया का सबसे संपन्न माने जाने वाले आर्थिक संगठन जी7 को टक्कर देता है। जीडीपी पर क्रय शक्ति के मामले में चीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, भारत तीसरी, रूस छठी और ब्राजील आठवीं है। सारे ब्रिक्स देशों की दुनिया की जीडीपी में 31.5 प्र. की हिस्सेदारी है। ऐसे में पाकिस्तान को इसमें शामिल करने से संगठन आर्थिक रूप से कमजोर होगा।

2) पाकिस्तान के ब्रिक्स में शामिल होने से संगठन की हालत सार्क जैसे न हो जाए। दरअसल, सार्क संगठन साउथ एशियाई देशों में तालमेल बैठाने के लिए बनाया गया था। भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका इसके सदस्य देश हैं। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सख्त मतभेदों की वजह से संगठन ठीक से काम नहीं कर पाता है। जिससे उसकी अहमियत पर सवाल खड़े होते हैं।

3) तीसरी और आखिरी वजह पाकिस्तान की विदेश नीति है। जो कंक्रीट नहीं है। बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक पाकिस्तान इस्लाम के मान पर पार्टनर ढूंढता है। फिर उनसे मदद मांगता है। कई एक्सपर्ट्स पाकिस्तान को कर्ज जीवी यानी कर्ज के सहारे जीने वाले। ऐसे में उसे ब्रिक्स देशों में जगह नहीं मिल सकती है।

अमेरिका का दावा, चीन चार साल से क्यूबा में चला रहा जासूसी अड्डा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के शीर्ष अधिकारी ने दावा किया है कि चीन पिछले चार सालों से क्यूबा में अपना जासूसी अड्डा चला रहा है। जानकारी के अनुसार चीन कम से कम 2019 से क्यूबा में एक जासूसी अड्डे का संचालन कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने यह दावा करते हुए कहा कि चीन खुफिया सूचनाएं जुटाने की अपनी क्षमताएं बढ़ाने के वैश्विक प्रयासों के तहत क्यूबा में एक जासूसी अड्डे का संचालन कर रहा है। अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि अमेरिका की खुफिया एजेंसियां चीन के पिछले कुछ वर्षों से क्यूबा से जासूसी करने और वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर गोपनीय जानकारियां जुटाने के प्रयास में शामिल होने की बात से वाकिफ हैं। अधिकारी के मुताबिक, बाइडन प्रशासन ने अपने जासूसी अभियान को विस्तार देने की चीन की कोशिशों को नाकाम करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन को लगता है कि वह कूटनीति और अन्य अनिर्दिष्ट कार्रवाइयों के माध्यम से इस दिशा में थोड़ी प्रगति करने में कामयाब रहा है। अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन के जनवरी 2021 में पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद खुफिया एजेंसियों ने उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को सूचित किया था कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयासों के तहत दुनियाभर में रसद, बुनियादी ढांचा और खुफिया जानकारियां एकत्रित करने की अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रही है।

शीर्ष अधिकारी के अनुसार, पीएलए ने इस बाबत अटलांटिक महासागर, लातिन अमेरिका, खाड़ी क्षेत्र, मध्य एशिया, अफ्रीका और हिंद प्रशांत क्षेत्र में कई जगहों की पहचान की है। इससे पहले, 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' अखबार ने बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर में क्यूबा में चीन के इलेक्ट्रॉनिक जासूसी अड्डे की स्थापना के लिए दोनों देशों के बीच एक समझौता होने का दावा किया था। अखबार के मुताबिक, जासूसी अड्डे की स्थापना के बदले चीन आर्थिक संकट से जूझ रहे क्यूबा को अरबों डॉलर का भुगतान करने पर सहमत हुआ था। हालांकि, व्हाइट हाउस और क्यूबा के अधिकारियों ने इस खबर को गलत बताया था।

ज्वालामुखी में चारों तरफ धुआं और आग की बौछारें

-अमेरिका की हवाईयन ज्वालामुखी वेधशाला ने दी जानकारी

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। सुबह-सुबह किलाउआ के शिखर से वेबकैम तस्वीरों में एक चमक का पता चला था। जो दर्शाता है कि शिखर काल्डेरा में हलेमाउमाउ क्रेटर के भीतर एक विस्फोट हो रहा था। यह कहना है अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की हवाईयन ज्वालामुखी वेधशाला का। ऑब्जर्वेटरी ने कहा कि तस्वीरें क्रेटर के फर्श की सतह पर लावा प्रवाह पैदा करने वाले क्रेटर के आधार पर बहती हुई दिख रही हैं। वेधशाला ने कहा कि भूकंप की गतिविधि में वृद्धि हुई थी। शिखर पर जमीन के विरूपण के पैटर्न में परिवर्तन मंगलवार रात शुरू हुआ, जो उपसतह में मैग्मा की गति को दर्शाता है।

वेधशाला के एक भूविज्ञानी माइक ज़ोलेर ने कहा, हम अभी रिफ्ट ज़ोन पर गतिविधि के कोई संकेत नहीं देख रहे हैं। इससे दरार विस्फोट में संक्रमण की उम्मीद करने का कोई कारण नहीं है जो द्वीप पर किसी भी समुदाय को लावा प्रवाह या उसके जैसा कुछ भी नुकसान पहुंचाएगा। सभी गतिविधि हवाई ज्वालामुखी राष्ट्रीय उद्यान के एक बंद क्षेत्र के भीतर थी। पार्क के प्रवक्ता जेसिका फेरकेन ने कहा, लावा आज सुबह पूरी तरह से शिखर काल्डेरा के भीतर ही सीमित है। किसी भी घर या बुनियादी ढांचे को खतरे में डाले बिना अभी भी अधिक लावा प्रवाह के लिए बहुत जगह है। तो इस तरह हम यहां विस्फोटों को पसंद करते हैं। दिसंबर में लगभग दो सप्ताह के लिए, हवाई का सबसे बड़ा ज्वालामुखी मौना लोआ भी हवाई के बड़े द्वीप पर फूट रहा था। थोड़े समय के ठहराव के बाद जनवरी में किलाउआ में फिर से विस्फोट होना शुरू हो गया।

खराब मौसम के चलते इंडिगो एयरलाइन की उड़ान मार्ग भटक कर पाकिस्तान में प्रवेश कर गई: रिपोर्ट

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। अमृतसर से अहमदाबाद जा रही इंडिगो एयरलाइन की एक उड़ान खराब मौसम के कारण मार्ग भटककर पाकिस्तान में लाहौर के निकट चली गई और सुरक्षित रूप से भारतीय हवाई क्षेत्र की ओर लौटने से पहले गुजरांवाला तक पहुंच गई थी। रविवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। 'डॉन' अखबार की खबर में कहा गया है कि फ्लाइट रडार के अनुसार, 454 नॉट की गति से उड़ रहा भारतीय विमान ने शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे उत्तरी लाहौर में प्रवेश किया और रात आठ बजकर एक मिनट पर भारत लौट आया। एयरलाइन की इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

खबर के अनुसार, नागर विमानन प्राधिकरण (सीएए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह असामान्य नहीं है क्योंकि मौसम खराब होने की स्थिति में ''अंतरराष्ट्रीय रूप से इसकी इजाजत'' होती है। उल्लेखनीय है कि मई में, पाकिस्तान में भारी बारिश होने के कारण पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन (पीआईए) का एक विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया था और करीब 10 मिनट तक वह रहा था। विमान पीके248 चार मई को

मस्कट से लौट रहा था और उसे लाहौर में अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर उतरना था। हालांकि, भारी बारिश के कारण बोइंग 777 विमान के पायलट के लिए ऐसा करना मुश्किल हो रहा था। इस बीच, पाकिस्तान में हवाई अड्डों पर खराब दृश्यता के कारण उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है, या उनमें देरी हुई है।

सीएए के प्रवक्ता ने कहा कि अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दृश्यता 5,000 मीटर रहने के कारण लाहौर के लिए मौसम की चेतावनी की अवधि शनिवार रात साढ़े 11 बजे तक बढ़ा दी गई है। खराब दृश्यता के कारण लाहौर जाने वाली कई उड़ानों को इस्लामाबाद भेज दिया गया। पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में शनिवार शाम तेज हवाओं और गरज के साथबारिश हुई। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के मुताबिक, सर्वाधिक प्रभावित इलाके खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के तीन निकटवर्ती जिले थे, जहां लगभग 29 लोगों की जान चली गई।

टेक्सास बना लिटिल इंडिया: 10 साल में दोगुने हुए भारतवंशी, ये सबसे ज्यादा शिक्षित, 20प्र. बिजनेस भी इन्हीं के हाथ में

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका का दक्षिणी राज्य टेक्सास नया लिटिल इंडिया बनकर उभर रहा है। अमेरिका के उत्तर और पूर्वी राज्यों जैसे न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन, बोस्टन और शिकागो से भारतीयों ने टेक्सास में संभावनाओं को तलाशना शुरू किया। महज 10 साल में ही भारतीयों की आबादी यहां दोगुनी हो गई। 2010 में यहां पर 2.30 लाख भारतीय थे, जो कि 2020 में बढ़कर लगभग 4.50 लाख हो गए हैं।

दबदबे का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टेक्सास के कुल बिजनेस के 20त्न हिस्से पर भारतवंशी काबिज हो गए हैं। टेक्सास में टेक्नोलॉजी, स्कूल, फाइनेंस, संस्कृति और यहां तक कि राजनीति में भी भारतीयों का दबदबा बढ़ा है।

टेक्सास में रहने वाले भारतीयों में लगभग सभी के पास कॉलेज एजुकेशन है। आधे से ज्यादा के पास प्रोफेशनल डिग्री है। टेक्सास के चार शहर कॉलिन, डेनटन, डलास और टैरेंट में तो भारतीयों का वहां के बिजनेस में 25 फीसदी तक हिस्सा है।

राजनीति में भी अहम भूमिका

कभी ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ माने जाना वाला टेक्सास राज्य में अब डेमोक्रटिक पार्टी मजबूत हो रही है। इसका बड़ा कारण यहां भारतीयों की आबादी का बढ़ना है। ह्यूस्टन में डेमोक्रेटिक प्रेस्टन कुलकर्णी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में टेक्सास की अहम भूमिका रहने वाली है।

यहां के 40 इलेक्टोरल वोटों में अभी रिपब्लिकन और डेमोक्रेट का वोट शेयर 50-49 है। टेक्सास के महेंद्र जुनेजा का कहना है कि आने वाले समय में भारतवंशी यहां के हर क्षेत्र में अपनी उपस्थति को और मजबूत करेंगे।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाले प्रवासी भी भारतीय

इंस्टीट्यूट फॉर अर्बन पॉलिसी के अनुसार टेक्सास में प्रवासियों में सर्वाधिक भारतवंशियों की औसत कमाई साढ़े 48 लाख रु. है। 41त्न भारतीयों की औसत कमाई 1 करोड़ 22 लाख रुपए है। ग्रीन कार्डधारी भारतीयों की चौथी बड़ी आबादी टेक्सास के डलास फोर्थ में है।

टेक्सास में आधे से ज्यादा भारतीय 3 सेक्टर में हैं- कंप्यूटर साइंस- स्टेम, मैनेजमेंट और हेल्थकेयर। शेष टेक्नोलॉजी सेक्टर में हैं।

अनुमान है कि 2 साल में बिजनेस के 30प्र. हिस्से पर भारतीय काबिज हो सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शाइस्ता परवीन सहित 11 पर गोशाला की जमीन हड़पने का आरोप, केस दायर

सीतापुर। माफिया अतीक अहमद की फरार पत्नी व 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन, जेल में बंद पुत्र मो. उमर समेत 11 लोगों के खिलाफ सिविल जज सीनियर डिवीजन के न्यायालय में वाद दायर किया गया है। मामले में 31 जुलाई को सुनवाई होगी। यह वाद दिनेश आंबेडकर गांधी के द्वारा दायर किया गया है। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि सीतापुर में भी अभियान चला कर अतीक व शाइस्ता परवीन के गुर्गों पर कार्रवाई की जाए। सीतापुर शहर कोतवाली क्षेत्र के तामसेनगंज निवासी दिनेश आंबेडकर गांधी उर्फ दिनेश जायसवाल ने सात सहयोगियों के साथ मिलकर न्यायालय में दायर किए गए वाद में कहा गया है कि तामसेन गंज में स्थित प्राचीन श्रीनारायण धाम मंदिर के पास नजूल की भूमि है। इस पर गोशाला संचालित होती थी। गोशाला का प्रबंध दिनेश आंबेडकर गांधी, उनके सहयोगी, व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता करते थे। वर्ष 2019 में आरोपियों ने गोशाला की भूमि पर कब्जा कर लिया था। बताया गया ?कि कब्जा करने वाले लोगों में अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, उसका पुत्र मो. उमर, भाई अशरफ शामिल था। इन लोगों के द्वारा जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। उस समय इसकी शिकायत जब जिला प्रशासन से की गई थी तब प्रशासन ने शिकायत मिलने पर यहां कराए गए अस्थाई निर्माण को गिरवा दिया था, लेकिन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं हुआ था। अब आरोपियों पर कार्रवाई कराने के लिए न्यायालय में वाद दायर किया गया है। जिन लोगों पर वाद दायर हुआ है उनमें 50 हजार की इनामिया माफिया डॉन अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, जेल में बंद पुत्र मो। उमर, डीएम, नगर पालिका के पूर्व अधिशासी गुरु प्रसाद पांडेय, राकेश कुमार जायसवाल, आफताब अंसारी उर्फ मिठाई लाल, मोहम्मद साजिद भिश्ती, सुनीत शुक्ला उर्फ सुमित शुक्ला, सुनील उर्फ पल्लू टुंडा, मुनना लाल उर्फ मुन्ना जायसवाल शामिल है।

बदलते युद्ध के लिए तैयार रहना होगा- आर्मी चीफ मनोज पांडे

नई दिल्ली । भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में 331 कैडेट्स ने पासिंग आउट परेड के बाद भारतीय सेना में बतौर अफसर प्रवेश पा लिया। आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे ने इस मौके पर उनसे कहा कि युद्ध के तेजी से बदलते रूप से पैदा हुई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहें। जनरल पांडे ने कहा कि तेजी से डेवलेप होती तकनीक की वजह से युद्ध तेजी से बदल रहे हैं और इसे लड़ना पेचीदा हो गया है। अब युद्ध के लिए तकनीकी कौशल, मानसिक तैयारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सोचना और त्वरित प्रतिक्रिया देनी होती है। सैनिक का पेशा सभी पेशों में सबसे अच्छा है क्योंकि यह वर्दी पहनने और अपनी मातृभूमि की सेवा करने का मौका देता है। उन्होंने नए अधिकारियों से कहा कि वे अपनी योग्यता को लगातार बेहतर बनाते रहें।आपकी यात्रा सेना में शामिल होने के साथ समाप्त नहीं होती है। इसके विपरीत, यह आत्म-सुधार के प्रति प्रतिबद्धता की शुरुआत है। पासिंग आउट परेड के दौरान 373 कैडेट को सेना में शामिल किया गया। इनमें से मित्र देशों के 42 कैडेट अपने-अपने देशों की सेनाओं में शामिल हुए। उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक 63 कैडेट सेना में शामिल हुए जबकि बिहार से 33, हरियाणा के 32, उत्तराखंड के 25 और पंजाब के 23 कैडेट सेना में शामिल हुए।

सीएम स्टालिन का दावा, लोकसभा चुनाव समय से पहले करवा सकती है बीजेपी

चेन्नै । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने दावा किया है कि बीजेपी आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को समय से पहले करवा सकती है। स्टालिन ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने वाली बीजेपी अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव समय से पहले करा सकती है। सलेम में द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम डीएमके के पदाधिकारियों से बात करते हुए स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 2014 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद बीजेपी ने पिछले नौ सालों में तमिलनाडु के लिए क्या किया है? स्टालिन ने कहा कि पिछले दो दिनों से अमित शाह के तमिलनाडु जाने और वेल्लोर में एक जनसभा को संबोधित करने की खबरें आ रही थीं। सीएम स्टालिन ने कहा कि जब डीएमके 2004-14 के दौरान केंद्र सरकार का हिस्सा था, तो हमने राज्य में कई योजनाएं शुरू कीं। इसमें 16,600 करोड़ रुपये की मेट्रो रेल परियोजना, 56,664 करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाएं और सेतुसमुद्रम परियोजना थीं। तमिलनाडु के लिए भारत सरकार की ओर से अलग-अलग योजनाओं के लिए आवंटित कुल धनराशि का 11 प्रतिशत भी हमने प्राप्त किया था। मुख्यमंत्री स्टालिन ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की ओर से तमिलनाडु को दिया गया एकमात्र समर्थन मदुरै में एम्स का आवंटन था, लेकिन उन्होंने कहा कि केंद्र के पास परियोजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित करने का दिल नहीं था। सीएम स्टालिन ने डीएमके के कैडरों से लोकसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आह्वान करते हुए कहा कि कोई भी राजनीतिक दल द्रमुक को नहीं हरा पाएगा। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु की सभी सीटों पर जीत हासिल करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं से कड़ी मेहनत करने का भी आह्वान किया। उधर, बीजेपी अन्नाद्रमुक के साथ अपने राजनीतिक गठबंधन के हिस्से के रूप में तमिलनाडु में 11 सीटें जीतने की उम्मीद कर रही है।

बृजभूषण शरण सिंह लड़ेंगे लोकसभा चुनाव, किया शक्ति प्रदर्शन

गोंडा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृजभूषण शरण सिंह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने रविवार को घोषणा करते हुए कहा कि वह 2024 का लोकसभा चुनाव एक बार फिर अपने कैसरगंज निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे। गौरतलब है ?कि भारत की शीर्ष महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना भी कर रहे हैं। बृजभूषण शरण सिंह नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश के गोंडा में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। रैली का आयोजन भाजपा के महासंपर्क अभियान के तहत किया गया था। रैली सिंह का शक्ति प्रदर्शन थी, जिसे पहले 5 जून को अयोध्या में की जानी थी। हालांकि सिंह ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का कोई सीधा उल्लेख नहीं किया लेकिन उन्होंने अपनी बात को समझाने के लिए उर्दू में एक दोहे का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, कभी अश्क, कभी गम, तो कभी जहर पिया जाता है।. तब जा कर जमाने में जिया जाता है। ये मिला मुझे मोहब्बत का सिला, बेवफा कह कर मुझे याद किया जाता है। उन्होंने मोदी सरकार के काम की सराहना की और पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों के बारे में बताया। इससे पहले, बृजभूषण ने अपने घर से रैली स्थल तक सैकड़ों कारों के काफिले के साथ रोड शो किया। रैली में सिंह के प्रभाव क्षेत्र के सभी छह लोकसभा क्षेत्रों के लोगों की उपस्थिति थी।

डिजिटली पेमेंट में भारत ने बनाया नया कीर्तिमान, विश्व में 46 प्रतिशत की भागीदारी

नई दिल्ली । डिजिटल पेमेंट में एक बार ?फिर भारत ने वैश्विक स्तर पर शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। डाटा रै?किंग के अनुसारस 2022 में दुनिया में हुए कुल डिजिटल रियल टाइम पेमेंट्स में 46 प्रतिशत भारत में हुए हैं। यह रैंकिंग में भारत के बाद आने वाले चार देशों में हुए कुल लेनदेन से भी अधिक है। भारत सरकार की ओर से जारी किए गए डाटा के मुताबिक, 2022 में भारत में कुल 89.5 मिलियन रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन हुए थे, जो कि पूरी दुनिया में सबसे अधिक है। आरबीआई की ओर से एक्सपर्ट्स ने एएनआई को बताया कि डिजिटल पेमेंट में भारत ने वैल्यू और वॉल्यूम में एक नया कीर्तिमान हासिल किया है, जो दिखाता है कि भारतीय पेमेंट सिस्टम की विश्वनीयता को दिखाता है। गाईगोव इं?डिया की ओर से इसे लेकर ट्वीट किया गया कि डिजिटल पेमेंट में भारत का दबदबा बना हुआ है। डिजिटल पेमेंट को व्यापाक रूप से अपनाने के कारण भारत कैशलेस अर्थव्यवस्था की तरफ आगे बढ़ रहा है। इस समय 89.5 मिलियन रियल टाइम पेमेंट के साथ भारत इस लिस्ट में टॉप है। इसके बाद 29.2 मिलियन के साथ ब्राजील दूसरे, 17.6 मिलियन के साथ चीन तीसरे, 16.5 मिलियन के साथ थाइलैंड चौथे और 8 मिलियन के साथ साउथ कोरिया पांचवें नंबर पर है। भारत में डिजिटल पेमेंट को सफल बनाने का सबसे बड़ा श्रेय यूपीआई को जाता है, जिसे 2016 में लॉन्च किया गया था। इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से कहा गया था कि भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया में नंबर वन बन गया है और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा मिल रहा है।

मोदी या राहुल, दोंनों में से एक को चुनना होगा पीएम के लिए: अमित शाह

-लोकसभा चुनाव 2024 में होगी निर्णायक लड़ाई, गृह मंत्री ने नांदेड़ में जनसभा को किया संबाधित

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार अमित शाह ने कहा है कि अगले चुनावों में नरेन्द्र मोदी या राहुल में से किसी एक को पीएम चुनना होगा। गृह मंत्री ने नांदेड़ में जनसभा के दौरान 2024 के लोकसभा चुनाव की सियासी लकीर खींचते हुए घोषणा की कि अगला आम चुनाव नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी के बीच होगा। यहां पर शाह ने गुरु गोबिंद सिंह को नमन करते हुए महाराष्ट्र के नांदेड़ से चुनावी अभियान की शुरुआत की और कहा कि उनकी पार्टी हर कीमत पर राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करेगी। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने तख्त श्री हजूर साहिब में मत्था टेका। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने जहां दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ाया है, वहीं राहुल गांधी विदेशी धरती पर देश का अपमान करने में व्यस्त हैं। शाह ने मोदी सरकार के नौ साल की उपलब्धियों का बखान करने वाली अपनी रैली के दौरान कहा कि विदेशी सम्मेलनों में एक देश का नेता जहां नरेंद्र मोदी को बॉस कहता है, तो दूसरा उनका ऑटोग्राफ चाहता है। लेकिन दूसरी ओर, राहुल विदेशी धरती पर घरेलू राजनीति नहीं करने की वर्षों पुरानी परंपरा

को तोड़ रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गिनाते हुए, कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि नेहरू-गांधी परिवार की चार पीढ़ियों ने भारत पर शासन किया। पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और फिर सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह लेकिन कांग्रेस लोगों को शौचालय, आवास, बिजली, मुफ्त राशन, गैस कनेक्शन नहीं दे पाई। वे लोग क्या कर रहे थे? आजादी के बाद के भारत में गरीबों की परवाह करने वाले एकमात्र पीएम नरेंद्र मोदी हैं। शाह ने महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 45 जीतने के भाजपा के लक्ष्य की घोषणा करते हुए पूर्व सहयोगी उद्धव ठाकरे को पाखण्डी कहा। शाह ने कहा, 2019 के महाराष्ट्र चुनावों की पूर्व संध्या पर, मैंने और देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे के साथ बातचीत की थी, जो इस बात पर सहमत थे कि अगर भाजपा को बड़ा जनादेश मिला तो फडणवीस सीएम बनेंगे। जब ऐसा हुआ तो वह मुकर गए और मुख्यमंत्री की कुर्सी पाने के लिए कांग्रेस से हाथ मिला लिया।

शाह ने उद्धव ठाकरे को राम मंदिर, समान नागरिक संहिता और कर्नाटक सरकार द्वारा वीर सावरकर को इतिहास की किताबों से हटाने पर अपना रुख स्पष्ट करने की चुनौती दी। शाह ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार पर भी हमला बोलते हुए उन्हें सबसे भ्रष्ट यूपीए शासन का हिस्सेदार भर ठहराया। शाह ने पवार पर आर्टिकल 370 को निरस्त करने का विरोध करने का भी आरोप लगाया और कहा, कि राहुल और पवार कहते थे कि आर्टिकल 370 निरस्त करने से घाटी में खून खराबा होगा। खून तो क्या, पत्थर मारने की भी हिम्मत आज किसी में नहीं है।

चाय पीने, प्रेस कांफ्रेंस करने से अगर विपक्ष मजबूत हो जाता तो 20 साल पहले ही हो गया होता : प्रशांत किशोर

पटना । चाय पीने, प्रेस कांफ्रेंस करने से अगर विपक्ष मजबूत हो जाता तो 20 साल पहले ही विपक्ष मजबूत हो गया होता। चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने विपक्षी एकता को लेकर किए जा रहे प्रयास पर शनिवार को जोरदार निशाना साधते हुए यह बात कही। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने विपक्षी एकता पर सियासी हमला करते हुए कहा कि नीतीश कुमार को बिहार की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज राजद के जीरो एमपी हैं और वे देश का प्रधानमंत्री तय कर रहे हैं। जिस पार्टी का अपना ठिकाना नहीं है वो पूरे देश की अलग-अलग पार्टियों को एकत्रित करने में लगा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पिछले दिनों ममता बनर्जी से मिले। उन्होंने सवाल किया कि क्या ममता बनर्जी लालू और नीतीश कुमार को पश्चिम बंगाल में चुनाव लड़ने के लिए सीट देने को तैयार हो गई हैं? क्या लालू और नीतीश बिहार में टीएमसी को एक भी सीट देने के लिए तैयार हो गए हैं?

किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार को कौन पूछता है। वह हाल ही में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव से मिलने गए। अखिलेश की समाजवादी पार्टी को लोकसभा चुनाव 2014 में 5 सीटें और 2019 में भी 5 सीटें मिलीं। हालांकि, वे बात ऐसे कर रहे हैं जैसे पांच सौ एमपी इन्हीं के पास हैं। उन्होंने कहा कि आज ये भाजपा की बी टीम हैं, क्योंकि ये अपनी दुकान चला रहे हैं। ये सिर्फ अपनी-अपनी डफली बजाने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग घर से निकलकर 5 किलोमीटर चल नहीं सकते, कोई दौरा नहीं कर सकते, कोई काम नहीं कर सकते, ये राजनीति क्या करेंगे।

सीएम केजरीवाल ने फिर सुनाई चौथी पास राजा की कहानी

-केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ आप ने निकाली रैली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ महारैली निकाली। रैली में सीएम अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार को महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे पर कहानी सुनाकर घेरा। मुख्यमंत्री ने केंद्र पर दिल्ली में स्कूल से लेकर मोहल्ला क्लिनिक समेत अन्य विकास कार्यक्रमों में बाधा डालने का आरोप लगाया। इस दौरान केजरीवाल ने एक चौथी पास राजा की कहानी सुनाते हुए कहा कि चौथी पास राजा को समझ नहीं आ रहा कि देश को कैसे चलाना है। केजरीवाल ने 2000 के नोट को लाने फिर वापस लेने पर भी तंज कसा। केजरीवाल ने अपने भाषण के अंत में कहा कि इस कहानी को जितनी बार सुनोगे, सुनाओगे। उतनी ही भगवान की कृपा आपके परिवार के ऊपर बरसेगी। जिन लोगों ने कहानी सुनी है वो भी बड़े ध्यान से दुबारा सुनना। उन्होंने कहा कि ये कहानी एक चौथी पास राजा की है। राजा बहुत अहंकारी, भ्रष्टाचारी था। इस कहानी में राजा तो है लेकिन रानी नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि कई हजार साल पुराना एक महान देश था। देश के एक गांव के गरीब घर में एक बच्चा पैदा हुआ। गांव का ज्योतिषि

आया। उसने बच्चे की कुंडली देखी। बच्चे की मां को बोला कि माई तेरा बेटा बड़ा होकर बहुत बड़ा सम्राट बनेगा। माई को समझ नहीं आया कि मैं इतनी गरीब, मेरा परिवार इतना गरीब मेरा बेटा सम्राट कैसे बनेगा। खैर बच्चा, धीरे-धीरे बड़ा होने लगा। गांव के सरकारी स्कूल में उसका एडमिशन करा दिया। उसका पढ़ने लिखने में मन नहीं लगता था। पढ़ते-पढ़ते चौथी क्लास में आते ही उसने नाम कटवा लिया। उसके घर में बहुत गरीबी थी। तो वो स्टेशन पर जाकर चाय बेचने लगा। वह भाषण बहुत अच्छा देता था। गांव के लड़कों को इकट्ठा कर लेता और भाषण देना चालू कर देता। धीरे-धीरे आसपास के गांव के लड़के भी इकट्ठे हो गए। कोई भी टॉपिक हो भाषण देना चालू कर देता। वो रुकता ही नहीं था, बच्चा बड़ा हुआ। राजा तो अनपढ़ था उसे कुछ पता नहीं था। अफसर आते उस अनपढ़ राजा से जहां मर्जी साइन करा लेते थे। धीरे-धीरे पूरे देश के अंदर फैल गया कि राजा अनपढ़ है। राजा को बड़ा बुरा लगने लगा। इस पर राजा ने कहीं से फर्जी एमए की डिग्री का जुगाड़ कर लिया। धीरे-धीरे राजा अहंकारी भी होता गया, उसपर अनपढ़। जो भी उस राजा के पास जाता कुछ भी पास कराके ले आता।

एक बार कुछ लोग गए और कहा कि नोटबंदी कर दो। इससे भ्रष्टाचार, आतंकवाद खत्म हो जाएगा। उन्होंने राजा की खूब चमची मारी और राजा ने एक दिन शाम को 8 बजे टीवी पर आकर नोटबंदी कर दी। पूरे देश का बेड़ा गर्क हो गया। बैंकों के सामने लंबी-लंबी लाइनें लग गईं। कई लोग मर गए। दुकानें बंद होगईं। रोजगार बंद हो गए। बड़ी-बड़ी इंडस्ट्रीज बंद हो गईं। पूरे देश का बेड़ा गर्क हो गया। फिर कोई बोला कि 2000 का नोट ले आओ, राजा ले आया। 4 साल बाद कुछ लोग बोले की 2000 का नोट बंद कर दो। राजा ने बंद कर दिया। राजा को अक्ल तो थी नहीं। बेवकूफ, अनपढ़ था। एक बार कुछ लोगों ने कहा कि किसानों के कानून बना दो।

नोबल विजेता कैलाश सत्यार्थी के प्रयास से हुई बाल श्रम निषेध दिवस की शुरुआत

-अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस 12 जून पर विशेष...

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वभर में 12 जून को अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस की शुरुआत वर्ष 2002 में एक भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के प्रयासों से हुई थी। इसे मनाने के लिए एक लंबा सफर तय करना पड़ा है। श्री सत्यार्थी ने इस मुद्दे को लेकर विभिन्न देशों में एक सशक्त अभियान चलाया और आम जनता से लेकर राष्ट्राध्यक्ष राष्ट्रप्रमुखों, राजा - रानियों और महाराजा- महारानियों का समर्थन प्राप्त किया। करोड़ों बच्चों के शोषण के खिलाफ और उनके अधिकारों को लेकर आवाज उठाने के लिए वर्ष 2014 में प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री सत्यार्थी ने बाल श्रम के बारे में दुनिया को जागरूक करने और उसे एक गंभीर अपराध के तौर पर स्वीकार करने को लेकर वर्ष 1998 में 'ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर' यानी वैश्विक जन जागरूकता यात्रा की शुरुआत की थी। यह यात्रा 17 जनवरी, 1998 को फिलीपींस के मनीला से शुरू हुई और छह जून, 1998 को जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में समाप्त हुई। करीब पांच महीने तक चली इस यात्रा में श्री सत्यार्थी के साथ 36 बच्चे भी थे ,जिन्होंने कभी बाल मजदूर के रूप में काम किया था। इस यात्रा को करीब डेढ़ करोड़ लोगों का व्यापक समर्थन भी प्राप्त हुआ। इस यात्रा की दो प्रमुख मांगें बाल श्रम के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय कानून बनाने और साल में एक विशेष दिन बाल मजदूरों को समर्पित करने की थी। जैसे ही यह यात्रा छह जून, 1998 को जब जेनेवा पहुंची तो उस समय संयुक्त राष्ट्र भवन में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन-आईएलओ का एक महत्वपूर्ण वार्षिक सम्मेलन चल रहा था। इस सम्मेलन में 150 से अधिक देशों के मंत्री और प्रतिनिधि सहित 2,000 से अधिक व्यक्ति मौजूद थे। इन सबके बीच जब संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के गलियारे इन बच्चों के नारों और मांगों से गूंज उठे तो आईएलओ ने अपनी परंपरा को तोड़ते हुए इतिहास में पहली बार एक सामाजिक कार्यकर्ता श्री सत्यार्थी और दो बच्चों को बाल श्रम, बाल दासता, बाल वेश्यावृत्ति और तस्करी के बारे में अपनी बात रखने का अवसर दिया।

विपरजॉय के 15 जून को कच्छ और पाकिस्तान के कराची के बीच पहुंचने की संभावना

- 125-135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चक्रवात 'बिपरजॉय' रविवार को अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया और इसके 15 जून को गुजरात के कच्छ जिले और पाकिस्तान के कराची के बीच पहुंचने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग कार्यालय ने सौराष्ट्र और कच्छ तटों के लिए चक्रवात के संबंध में एक अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने कहा कि पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' पिछले छह घंटों के दौरान नौ किलोमीटर प्रति घंटे की गति के साथ उत्तर-उत्तर पूर्व की तरफ बढ़ा और एक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया। बुलेटिन में कहा कि यह चक्रवाती तूफान सुबह साढ़े पांच बजे मुंबई से लगभग 580 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम, पोरबंदर से 480 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम, द्वारका से 530 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम, नलिया से 610 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम और कराची (पाकिस्तान) से 780 किलोमीटर दक्षिण में उसी स्थान पर केंद्रित रहा। विभाग के मुताबिक चक्रवात के 14 जून की सुबह तक उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। उसने बताया कि इसके बाद इसके उत्तर-पूर्वोत्तर की ओर बढ़ने और 15 जून को अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में सौराष्ट्र एवं कच्छ और मांडवी (गुजरात) एवं कराची (पाकिस्तान) के बीच पड़ोसी देश पाकिस्तान के तटों से गुजरने की संभावना है। इस दौरान 125-135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान जताया गया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर पहुंचे दलित बूथ प्रमुख के घर, खाया खाना

-कार्यकर्ताओं से मिलकर जाने हालचाल, यूक्रेन वार व अन्य मुद्दों पर भी की चर्चा

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में जी-20 समूह की बैठक के लिए विदेशी प्रतिनिधि बाबा विश्वनाथ की नगरी में पहुंच रहे हैं। इन तमाम तैयारियों को पुख्ता कराने के लिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी वाराणसी पहुंचे। रविवार को एस. जयशंकर अलग ही अंदाज में दिखे। वे एक दलित कार्यकर्ता के घर पहुंचे और जमीन पर पांत में बैठ कर नाश्ता किया। महिला कार्यकर्ता ने घर में बड़े नेता के आने पर खुशी जाहिर की। इसके बाद एस जयशंकर कार्यकर्ताओं से भी मिले और एक सेमिनार में पहुंचे। वहां उन्होंने विदेश नीति पर चर्चा की। यूक्रेन वार का जिक्र किया। वहां से लोगों को निकालने के मिशन की चर्चा करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि हमें अपने लोगों की परवाह है। जानकारी के अनुसार विदेश मंत्री ने रविवार को

वाराणसी के दलित बूथ अध्यक्ष के घर पर नाश्ता किया। इस दौरान वे सामान्य कार्यकर्ता की तरह जमीन पर बिछाए गए दरी पर बैठे। भाजपा के अन्य कार्यकर्ता भी उनके साथ बूथ अध्यक्ष सुजाता के घर आए थे। सुजाता ने उनके लिए सत्तू-पूरी, खीर और दो तरह की सब्जियों का प्रबंध किया था। पूरा परिवार आगत अतिथियों के स्वागत में जुटा रहा।

इस दौरान एस. जयशंकर ने भारत की विदेश नीति पर भी चर्चा की। इसे आम लोगों और देश के हित से जुड़ा हुआ करार दिया। विदेश मंत्री ने यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते कहा कि उस समय 20 हजार भारतीय छात्र यूक्रेन में फंस गए थे। ऑपरेशन गंगा के माध्यम से हम सभी को भारत वापस लाए। इस प्रकार के ऑपरेशन दिखाते हैं, हम अपने लोगों के लिए कितने चिंतित हैं। वाराणसी में भारतीय विदेश नीति के उद्देश्यों और विशेषताओं पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सूडान का भी उदाहरण देख सकते हैं। वहां भी हमारे करीब 5 हजार लोग फंस गए। हमने हरेक व्यक्ति को लड़ाई वाले इलाके से निकाला।

विदेश मंत्री के आने पर बूथ अध्यक्ष सुजाता ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे विदेश मंत्री के स्वागत का मौका मिला। वे मेरे घर पर आए। उनके जैसा ताकतवर नेता हमारे घर तक आया, यह बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि आज के समय में वैश्विक मंच पर एस. जयशंकर को जिस गंभीरता से सुना जाता है, वह हम सबने देखा है। हमलोग तो शनिवार से ही उनके स्वागत की तैयारियों में लगे हैं। मेरा पूरा परिवार घर की सफाई में लगा हुआ था। बता दें कि वाराणसी में 11 से 13 जून तक जी-20 की बैठक होनी है। इसमें विकास की बढ़ती चुनौतियों को लेकर चर्चा होगी।

मध्य प्रदेश : जबलपुर रैली के साथ कांग्रेस के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगी प्रियंका गांधी

जबलपुर (एजेंसी)। प्रियंका गांधी वाद्रा साल के अंत में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के प्रचार अभियान की शुरुआत सोमवार को जबलपुर से नर्मदा तट पर पूजा-अर्चना करने के बाद करेंगी। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। जबलपुर राज्य के महाकोशल क्षेत्र का केन्द्र है और यहां आदिवासी मतदाताओं संख्या बहुत ज्यादा है। 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने आठ जिलों के इस संभाग में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 13 सीटों में से 11 पर जीत हासिल की जबकि शेष दो सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली थी।

जबलपुर के महापौर और कांग्रेस के शहर प्रमुख जगत बहादुर सिंह ने रविवार को पीटीआई/से कहा, ''प्रियंका जी शनिवार को सुबह करीब 11.15 बजे शहीद स्मारक में एक जनसभा को संबोधित कर पार्टी के चुनाव अभियान और संकल्प 2023 की शुरुआत करेंगी। वह सुबह करीब 10-30 बजे जबलपुर पहुंचेगीं और नर्मदा नदी की पूजा करने के लिए ग्वारीघाट जाएंगी। उन्होंने कहा कि रैली स्थल के रास्ते में प्रियंका मुगलों से लड़के हुए शहीद हुई रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगी।

उन्होंने कहा कि रैली में कम से कम दो लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने दावा किया, ''महाकोशल क्षेत्र या आठ जिलों वाले जबलपुर संभाग के लोग खुद को भाजपा द्वारा उपेक्षित महसूस करते हैं। हमने इस क्षेत्र में (पिछली बार) अच्छा प्रदर्शन किया था। इस बार चुनाव में हम शानदार प्रदर्शन करने वाले हैं।'' यह पूछे जाने पर कि उन्होंने पार्टी के प्रचार अभियान के लिए जबलपुर को क्यों चुना, मध्य प्रदेश से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा ने कहा कि रैली महाकोशल में आयोजित की जा रही है क्योंकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा इस क्षेत्र से होकर नहीं गुजरी थी। उन्होंने कहा, महाकोशल क्षेत्र में रैली से पड़ोसी विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्रों में कांग्रेस को मदद मिलेगी।

इसके अलावा, महाकोशल में मजबूत सत्ता विरोधी लहर (भाजपा सरकार के खिलाफ) है और कांग्रेस के पारंपरिक आदिवासी मतदाताओं की बड़ी आबादी इस क्षेत्र में रहती है। मध्य प्रदेश भौगोलिक रूप से छह क्षेत्रों... महाकोशल, ग्वालियर-चंबल, मध्य भारत, निमाड़-मालवा, विंध्य और बुंदेलखंड में विभाजित है। महाकोशल या जबलपुर संभाग में जबलपुर, कटनी, सिवनी,

नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी और छिंदवाड़ा जिले शामिल हैं और इसमें 38 विधानसभा सीटें हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने इनमें से 24 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा 13 सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रही थी। एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई थी। वहीं, 2013 के चुनावों में भाजपा ने 24 सीटें जीतीं और कांग्रेस को सिर्फ 13 सीटों पर जीत मिली थी। 2018 में महाकोशल में जीत के बाद कांग्रेस कमलनाथ के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में सरकार बनाने में सक्षम बनी लेकिन, मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के वफादार विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद यह सरकार गिर गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चक्रवात बिपरजॉय की संभावित आपदा से निपटने गुजरात के तटीय जिले पूरी तरह से तैयार हैं

मुख्यमंत्री ने स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर से जिलों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर हालात का जायजा लिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर ,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के तटीय जिलों पर मंडरा रहे चक्रवाती तूफान बिपरजॉय की संभावित व्यापकता और प्रभावों से निपटने के लिए जिला प्रशासन की आपदा प्रबंधन तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने रविवार को गांधीनगर स्थित स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए तटीय जिलों के कलक्टरों से उनके जिलों में आपदा प्रबंधन को लेकर किए गए आयोजन का ब्यौरा हासिल किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अधिकारियों को इस तरह से आपदा प्रबंधन का अग्रिम आयोजन करने के दिशा-निर्देश दिए, जिससे कि लोगों को कम से कम परेशानी हो तथा सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह जरूरी है कि जिले के तटीय क्षेत्र के निचले इलाके में बसे गांवों में रहने वाले लोगों का आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरण किया जाए। उन्होंने इसके लिए पुलिस प्रशासन की सहायता लेकर भी निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित आश्रय स्थलों में पहुंचाने की ताकीद की। मुख्यमंत्री ने बिजली, पानी और दवाई जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के प्रभावित होने पर उसकी तत्काल बहाली के लिए टीमें, पंपिंग मशीन और जनरेटर की तैनाती की व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। भूपेंद्र पटेल ने संभावित चक्रवाती तूफान के चलते तीव्र गति से हवाएं चलने की स्थिति की संभावनाओं को ध्यान में रखकर जिलों में होर्डिंग हटाने, सड़कों पर पेड़ और बिजली की खंभे गिरने पर तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करने की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी हासिल की।

मौसम विज्ञान विभाग की प्रादेशिक निदेशक सुश्री मनोरमा मोहंती ने 14 जून से इस संभावित चक्रवाती तूफान का प्रभाव ६ तटीय जिलों तथा राज्य के अन्य कई क्षेत्रों में दिखाई देने की संभावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने मौसम के अनुमान का प्रेजेंटेशन देते हुए कहा कि इसके परिणामस्वरूप भारी से अति भारी बरसात, तीव्र गति से हवाएं चलने और समुद्र में उंची लहरें उठने जैसी स्थिति पैदा हो सकती है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस संदर्भ में पूरे राज्य में 12 से 14 जून तक तीन दिनों के लिए आयोजित होने वाले शाला प्रवेशोत्सव को दो ही दिन यानी 12 और 13 जून को आयोजित करने का निर्णय किया है। इतना ही नहीं, संभावित चक्रवाती तूफान से सर्वाधिक प्रभावित होने की आशंका वाले कच्छ, द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़ और मोरबी सहित 6 जिलों में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा किए गए आपदा प्रबंधन के आयोजन में मार्गदर्शन देने और सहायता के लिए 9 मंत्रियों को विभिन्न जिलों का दायित्व भी सौंपा है। इसके अनुसार, ऋषिकेश पटेल और प्रफुलभाई पानसेरिया को कच्छ जिला, कनुभाई देसाई को मोरबी, राघवजी पटेल को राजकोट, कुंवरजी बावळिया को पोरबंदर, मुळूभाई बेरा को जामनगर, हर्ष संघवी को द्वारका, जगदीश विश्वकर्मा को जूनागढ़ और पुरुषोत्तम सोलंकी को गिर सोमनाथ जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये मंत्री उन्हें सौंपे गए जिलों में पहुंचकर तीन दिनों तक वहां रूककर प्रशासन का मार्गदर्शन करेंगे।

इस संभावित आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन को आश्रय स्थल सुनिश्चित करने, समुद्र तट पर लंगर डाले खड़ी नाव-बोट को सुरक्षित स्थल पर रखने, दवाई और पशुहानि होने पर मृत पशु के तत्काल निस्तारण, तथा चक्रवात की स्थिति में गर्भवती महिलाओं की प्रसूति में कोई तकलीफ न हो इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं तैयारी सहित तमाम आवश्यक व्यवस्थाओं पर उन्होंने विस्तार से चर्चा की। राज्य सरकार ने इस संभावित आपदा के समय आवश्यकता पड़ने पर वायुसेना, नौसेना, थलसेना और तटरक्षक बल की मदद के लिए समन्वय स्थापित किया है और ये एजेंसियां भी आपदा प्रबंधन के लिए स्टैंडबाय पर हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की कुल सात टीमें राजकोट, कच्छ, मोरबी, जामनगर और द्वारका में तैनात की गई हैं तथा 3 टीमें वडोदरा में स्टैंडबाय पर रखी गई हैं। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की 12 टीमें भी तैनात हैं और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित क्षेत्रों में पहुंचने के लिए तैयार हैं। इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव राज कुमार ने जिला कलक्टरों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि अगले 72 घंटों तक हर घंटे चक्रवात की स्थिति और दिशा बदलने की संभावना है। इस संदर्भ में यह अपेक्षित है कि जिला कलक्टर स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखते हुए स्थानीय कारकों के अनुसार उचित निर्णय लें और जरूरत पड़ने पर स्टेट इमरजेंसी कंट्रोल रूम से संपर्क कर अतिरिक्त मदद भी प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक में राजस्व, ऊर्जा, सड़क एवं आवास, वन एवं पर्यावरण, बंदरगाह, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पशुपालन सहित विभागों के वरिष्ठ सचिवों ने मौजूद रहे और अपने-अपने विभागों द्वारा किए गए अग्रिम आयोजन का विवरण दिया।

नाबालिग साली को ब्लैकमेल कर बहनोई 8 महीने तक करता रहा दुष्कर्म

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद ,शहर के आनंदनगर क्षेत्र में नाबालिग लड़की को ब्लैकमेल कर बहनोई करीब 8 महीनों तक दुष्कर्म करता रहा। इतना ही नहीं आरोपी ने नाबालिग लड़की की बिभत्स तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। तस्वीरें वायरल होने के बाद पीड़िता के घर से निकल जाने के बाद मामला पुलिस थाने पहुंच गया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पोक्सो और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के आनंदनगर क्षेत्र में रहनेवाली नाबालिग लड़की मोबाइल पर अपने दोस्तों से बातचीत करती रहती थी, जिसका फायदा उसके बहनोई ने उठाया। बहनोई ने साली को दोस्तों से बातचीत उसके माता-पिता को बता देने की धमकी दी। बाद में साली से वीडियो कॉल के जरिए उसकी बिभत्स तस्वीर हासिल कर दी। तस्वीरें पाने के बाद उसे वायरल करने की धमकी देकर बहनोई अपनी साली के साथ दुष्कर्म करने लगा। पीड़िता जब अपनी बहन के घर जाती तब बहनोई उसके घर छोड़ने के बहाने उसे लेकर होटल में ले जाता और दुष्कर्म करता।

आए दिन फोन पर परेशान करने से तंग आकर पीड़िता ने कई बार अपने बहनोई का नंबर ब्लॉक दिया। लेकिन बहनोई ने पीछा नहीं छोड़ा और अलग अलग नंबरों से साली को परेशान करता रहा। गत मार्च महीने में जब पीड़िता स्कूल में कक्षा 12 परीक्षा की रिसिप्ट लेने गई थी, तब वहां भी उसका बहनोई पहुंच गया। घर छोड़ने के बहाने बहनोई उसे लेकर शहर की एक होटल में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। एक दिन बहनोई ने साली के सोशल मीडिया से मिलता जुलता एकाउंट बनाया और उसके जरिए पीड़िता की बिभत्स तस्वीरें वायरल कर दी। पीड़िता की बहन को जब इस बारे में पता चला तो उसने अपनी नाबालिग बहन से बातचीत की। जिससे पीड़िता घर छोड़कर चली गई। जिसके बाद मामला आनंदनगर पुलिस थाने पहुंच गया।

आनंदनगर पुलिस ने पीड़िता के बहनोई के खिलाफ पोक्सो और आईटी एक्ट के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

आईआईएम के पाँच युवा गरवी गुर्जरी एम्पोरियम के रिब्रैंडिंग व रिपॉज़िशनिंग प्रोजेक्ट में सहयोग करेंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात सरकार के उपक्रम गरवी गुर्जरी एम्पोरियम को उसके रिब्रैंड तथा रिपॉज़िशनिंग प्रोजेक्ट में भारत के प्रतिष्ठित मैनेजमेंट संस्थान ढ्ढ्ढरू के पाँच युवाओं का सहयोग मिलेगा। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के इन युवाओं ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ बैठक की। गरवी गुर्जरी द्वारा हाल ही में इस प्रोजेक्ट में कार्य करने हेतु सहयोग के लिए देश के प्रीमियम मैनेजमेंट कॉलेजेस का सम्पर्क किया गया था। तद्अनुसार, आईआईएम के पाँच अत्यंत सक्षम युवाओं ने पाँच से सात सप्ताह की समयावधि के लिए इस प्रोजेक्ट में बिना कोई वेतनमान लिए सहायक बनने की इच्छा व्यक्त की है। इन युवाओं में आईआईएम, अहमदाबाद के तीन तथा बेंगलुरु के दो युवा शामिल हैं। ये युवा गरवी गुर्जरी के जिस प्रोजेक्ट में सहायक बनने वाले हैं, उसमें ऑनलाइन विज़िबिलिटी तथा रिच बढ़ाने के उद्देश्य से डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म एवं सोशल मीडिया मार्केटिंग स्ट्रैटेजी, ब्रैंड पॉज़िशनिंग एवं कॉम्पीटिशन तथा रिब्रैंडिंग, एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग, उपभोक्ता व्यवहार तथा विश्लेषण जैसे गहन विषय शामिल किए गए हैं। इन युवाओं ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को अपने प्रोजेक्ट कार्य के विषय में अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने इन युवाओं के योगदान की सराहना करते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि ग्रामीण कारोबार के उत्पाद सहित गरवी गुर्जरी के उत्पादों की बिक्री व्यवस्थाओं के समयानुकूल अद्यतन बनाने में इन युवाओं का यह योगदान उपयुक्त बनेगा।

चक्रवात के कारण गुजरात का समुद्र हुआ तूफानी, बंदरगाहों पर लगे 4 नंबर के सिग्नल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के कच्छ से आगामी 15 जून को टकराने वाले बिपोरजॉय चक्रवात खतरनाक होता जा रहा है। चक्रवात के कारण गुजरात के समुद्र ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। राज्य के सभी बंदरगाहों पर 2 नंबर का सिग्नल हटाकर 4 नंबर का सिग्नल लगा दिया है। फिलहाल चक्रवात पोरबंदर से 460 किलोमीटर दूर है और यह धीरे धीरे सौराष्ट्र के तटीय क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। चक्रवात और उसके बाद उत्पन्न होनीवाली स्थितियों को लेकर सरकार और प्रशासन एक्शन में आ गया है। चक्रवात को लेकर गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन भी अलर्ट हो गया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गांधीनगर स्थित स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए तटीय क्षेत्र के जिला कलेक्टरों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। मुख्यमंत्री ने संबंधित कलेक्टरों को संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। दूसरी ओर सौराष्ट्र के कई इलाकों में तेज हवा चल रही है। चक्रवात के कारण समुद्र में करंट दिखाई दे रहा है। जाफराबाद में चक्रवात का बड़ा असर दिखाई दे रहा है। जिसे देखते हुए लोगों से समुद्र किनारे नहीं जाने की हिदायत दी गई है। संबंधित जिलों में फायर विभाग को भी तैनात कर दिया गया है। वहीं पोरबंदर में चक्रवात को ध्यान में रखते हुए प्रशासन हरकत में है दुर्घटना टालने के लिए बड़े पेड़ों की छंटाई कर रहा है। फायर विभाग के जवान खतरनाक और झुके हुए पेड़ों की कटिंग कर रहे हैं। संभावित चक्रवात के चलते द्वारका के बंदरगाह पर भी 2 नंबर का सिग्नल हटाकर 4 नंबर का सिग्नल लगा दिया है। साथ ही मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। तटीय क्षेत्र में रहनेवाले लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर चले जाने की प्रशासन ने अपील की है। सूरत, मोरबी और गिर सोमनाथ समेत सभी तटीय इलाकों में चक्रवात को लेकर प्रशासनस सतर्क है और लोगों से समुद्र किनारे नहीं जाने की अपील कर रहा है।

मौसम के जानकार अंबालाल ने कहा 'बिपोरजॉय' 50 साल में सबसे बड़ा चक्रवात

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात पर बिपोरजॉय चक्रवात का खतरा मंडरा है, जिसे लेकर सरकार समेत स्थानीय प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। फिलहाल चक्रवात गुजरात की ओर धीरे धीरे आगे बढ़ रहा है और उसके 15 जून को कच्छ से टकराने की संभावना है। चक्रवात को लेकर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल का कहना है कि बिपोरजॉय बीते 50 सालों में अब तक सबसे बड़ा चक्रवात है। चक्रवात के कारण धूलभरी आंधी चलेगी और गरज के साथ भारी बारिश हो सकती है। चक्रवात का सबसे ज्यादा असर पश्चिम गुजरात के तटीय क्षेत्रों में दिखाई देगा। 12 से 16 जून के दौरान मध्य गुजरात में भी चक्रवात का असर दिखेगा और अहमदाबाद व गांधीनगर में बारिश होगी। अंबालाल पटेल ने कहा कि चक्रवात का सबसे ज्यादा असर ओखा, द्वारका, मांगरोल, वेरावल, गिर सोमनाथ, अमरेली और भावनगर में होगा।

चक्रवात की वजह से वलसाड और नवसारी इत्यादि में भारी से अति भारी बारिश होगी। खासकर 12 से 16 जून के दौरान सबसे अधिक बारिश होगी।

राजकोट शहर के पास एम्स के अक्टूबर तक पूरी तरह से तैयार होने की संभावना - मांडविया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि गुजरात के राजकोट शहर के पास स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के अक्टूबर तक पूरी तरह से तैयार होने की संभावना है, अब तक 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। मांडविया ने परियोजना की प्रगति का जायजा लेने के लिए दिन में यहां एम्स का दौरा किया। उन्होंने कहा कि एम्स का बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) पहले से ही काम कर रहा है, जबकि अगस्त में 150 बिस्तरों वाला इनडोर अस्पताल और सितंबर में 250 बिस्तरों की सुविधा शुरू की जाएगी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्थापित हो रहे 16 एम्स में से एक राजकोट में है। मांडविया ने कहा, एम्स-राजकोट का कम से कम 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और ओपीडी शुरू हो चुकी है। चिकित्सा उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया तेज गति से जारी है और इस वर्ष अक्टूबर तक सभी कार्यों को पूरा करने की योजना है।

उन्होंने कहा कि जब उन्होंने आखिरी बार मार्च में एम्स का दौरा किया था, तब वहां पर सिर्फ 800 श्रमिक काम करते थे और अब यह संख्या बढ़कर 2,000 हो गई है।

एम्स राजकोट 750 बिस्तरों वाला अस्पताल होगा जिसमें मल्टी स्पेशियलिटी और सुपर-स्पेशियलिटी विभाग होंगे। संस्थान का निर्माण 1,195 करोड़ रूपये की लागत से किया जा रहा है।

15 जून को कच्छ से टकरा सकता है चक्रवात बिपोरजॉय, गुजरात में होगी भारी बारिश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात पर चक्रवात बिपोरजॉय का खतरा मंडरा रहा है और इसे लेकर मौसम विभाग ने बड़ी भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 15 जून को गुजरात के कच्छ से टकरा सकता है। उस वक्त हवा की रफ्तार 150 किलोमीटर प्रति घंटे की हो सकती है। पिछले एक सप्ताह से समुद्र में धीरे धीरे विनाशक बन रहे चक्रवात को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्य के तटीय जिलों में संभावित चक्रवात के खतरे से निपटने के लिए अग्रिम आयोजन और आपदा प्रबंधन कार्यों में मार्गदर्शन के लिए राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों को विभिन्न जिलों की जिम्मेदारी सौंपी है। कच्छ जिले में राज्य सरकार के मंत्री ऋषिकेश पटेल, मोरबी की कनुभाई देसाई, राजकोट में राघवजी पटेल, पोरबंदर में कुंवरजी बावलिया, जामनगर में मूलुभाई बेरा, देवभूमि द्वारका में हर्ष संघवी, जूनागढ़ में जगदीश विश्वकर्मा, गिर सोमनाथ जिले की जिम्मेदारी पुरुषोत्तम सोलंकी को सौंपी गई है। मुख्यमंत्री ने इन सभी मंत्रियों को जिस जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है वहां पहुंचने को कहा है। बैठक के बाद मौसम विभाग की निदेशक ने बताया कि आगामी 14 और 15 जून को राज्य में भारी बारिश हो सकती है। राजकोट, पोरबंदर और मोरबी में भारी बारिश की संभावना है। चक्रवात के कारण सबसे अधिक बारिश कच्छ, देवभूमि द्वारका और जामनगर में हो सकती है। चक्रवात 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कच्छ से टकरा सकता है।